



# सर्वजन की सरकार सभी के हितों से सरोकार

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की स्वीकृति मिल गई है। मेरे आवेदन को बैंक से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर मुझे ऋण उपलब्ध हो सकेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मुझे उच्च शिक्षा ग्रहण करने में समस्या आ रही थी। योजना का लाभ मिलने से मेरे जैसे कई युवाओं को पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी।  
आदित्य कुमार, बोकारो

रक्षा बंधन पर हेमन्त भैया ने हमें उपहार दिया है। हर माह हमें एक हजार और साल में 12 हजार रुपया प्राप्त होगा। मुझे दूसरी किस्त भी प्राप्त हो गई है। यह पैसा मेरी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करेगा।  
दिव्या तिवारी, विश्रामपुर, पलामू



**गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड**  
15 लाख तक का ऋण, हजारों युवाओं को मिल रहा लाभ

**मरड-गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशिय छात्रवृत्ति योजना**  
विदेश में उच्च शिक्षा के लिए वंचित वर्ग के युवाओं को राज्य सरकार दे रही 100% स्कॉलरशिप

**झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना**  
राज्य की 18 से 50 वर्ष तक की लाखों बहनों को हर साल ₹12 हजार की सम्मान राशि

**बैंक क्रेडिट/लिकेंज**  
राज्य की 2,60,994 महिला समूह को ₹11,225 करोड़ की राशि उपलब्ध करायी गयी

**मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना**  
20 हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु करोड़ों की राशि वितरित

**राज्य संपोषित अभुआ आवास योजना**  
राशि परियोजना पर करोड़ों घरेलू गीन कम्प्लेक्स का प्रारम्भ आवास

**मुख्यमंत्री बिस्सा स्वास्थ्य सुरक्षा योजना**  
15 लाख तक का स्वास्थ्य बिमा, 66 लाख राशनकार्ड धारियों को लाभ

**मुख्यमंत्री ऊर्जा सुरक्षा योजना**  
200 युक्ति तक बिजली उपभोग कर्तब वालों किन्नरी ककारा माफ

**झारखण्ड कृषि आशीर्षक योजना**  
राज्य की 6.5 लाख किसानों को ₹1 हजार 5000 इंचक इंचक के माध्यम से ₹1 करोड़ 50 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा

**साइकिल वितरण योजना**  
8 लाख साइकिल बच्चों को किन्नरी

**श्री एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कालरशिप**  
35 लाख बच्चों को निता लाभ

**सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना**  
9 लाख किशोरियों को ₹40 हजार (प्रति किशोरी) की सहायता राशि

साइकिल की राशि मिलने से हम जैसे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए स्कूल जाने में सहूलियत रहती है। साइकिल मिल जाने से अब आने-जाने का कोई खर्च अलग से नहीं उठाना पड़ेगा, इसके लिए राज्य सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद।  
गायतृ मुंडा, कुडापूर्ति, मुरह, खूंटी

अभुआ आवास के लिए मुझे दूसरी किस्त की राशि मिल चुकी है। इस राशि से मैंने घर के छत लेवल का काम पूर्ण कर लिया है। तीसरी किस्त की राशि जल्द मिलेगी, ऐसा प्रखंड कार्यालय द्वारा बताया गया है। किस्त मिलते ही घर के छत की दलाई पूरा करूंगा। मेरा घर मिट्टी का था, लेकिन सरकार ने मुझे पक्का आवास दिया है। हेमन्त सोरेन को जोहार।  
सुजीत मुंडा, कांके, ग्राम चौबे खरंगा, रांची





उद्यान के लिए टाटानगर रेलवे स्टेशन पर खड़ी वंदेभारत ट्रेन  
● फोटोन न्यूज



**रांची में पीएम का सीएम ने किया स्वागत**  
जमशेदपुर के कार्यक्रम में शामिल होकर वापस रांची लौटने के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री को उपहार के रूप में बुद्ध की मूर्ति भेंट की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमशेदपुर में जनसभा को संबोधित करने के बाद वापस रांची एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मौजूद थे। उन्होंने गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया।



टाटानगर रेलवे स्टेशन पर मौजूद राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व शिवराज सिंह चौहान



कार्यक्रम में शामिल लोग  
● फोटोन न्यूज



सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार  
● फोटोन न्यूज



रोड शो के मार्ग में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार  
● फोटोन न्यूज

## पीएम आवास योजना के 32,000 लाभुकों को स्वीकृति पत्र वितरित, पहली किस्त जारी

# राज्य को मिली छह नई वंदेभारत ट्रेनें

बारिश की वजह से नहीं पहुंच सके टाटानगर स्टेशन, रांची से ऑनलाइन दिखाई हरी झंडी

ANAND MISHRA/  
ROHIT KUMAR @ JSR

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को टाटानगर स्टेशन से छह वंदेभारत ट्रेन को झंडी दिखाने वाले थे, लेकिन खराब मौसम की वजह से उन्होंने रांची से ऑनलाइन ट्रेनों के साथ रेलवे की लगभग 660 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

इधर, पीएम की गैरमौजूदगी में टाटानगर स्टेशन परिसर में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। शिवराज सिंह चौहान ने ट्रेन में बैठे स्कूली बच्चों से बात की। इधर, पीएम ने अपने संबोधन में बाबा बैद्यनाथ, बाबा बासुकीनाथ और महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए झारखंड की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रकृति की पूजा के लिए समर्पित करमा पर्व के शुभ अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि करमा पर्व में महिलाएं अपने भाइयों की समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। वंदेभारत ट्रेनों से कनेक्टिविटी और विकास को मिलेगा बढ़ावा : प्रधानमंत्री मोदी ने छह नई वंदेभारत ट्रेनों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इन ट्रेनों के परिचालन से पूर्वी क्षेत्र में व्यवसायियों, पेशेवरों और छात्रों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि ये ट्रेनें न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन को भी बढ़ावा देंगी, खासकर वाराणसी-देवघर वंदेभारत के माध्यम से, जिससे भारत और दुनिया भर के तीर्थयात्रियों के लिए देवघर में बाबा बैद्यनाथ का दर्शन करना आसान हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने झारखंड में कई प्रमुख रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें देवघर जिले में मधुपुर बाईपास लाइन भी शामिल है। यह बाईपास हावड़ा-दिल्ली मैनलाइन पर भीड़भाड़ को कम करेगी और गिरिडीह और जसीडीह के बीच यात्रा के समय को कम करेगी। एक अन्य महत्वपूर्ण परियोजना हजारीबाग टाउन कॉविंग डिपो है, जो कॉविंग स्टॉक के रखरखाव की सुविधा प्रदान करेगी और क्षेत्र में समग्र रेल संचालन में सुधार करेगी। कुरकुरा-कनारोन रेल लाइन का दोहराकरण भी झारखंड के इस्पात उद्योगों से कनेक्टिविटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे राज्य का औद्योगिक आधार और मजबूत होगा।



रांची में ट्रेन को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी  
● इंटरनेट मीडिया

### घर का मालिक होना पूरे परिवार के आत्मविश्वास को बढ़ाता है : पीएम

प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के 32,000 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए और वित्तीय सहायता की पहली किस्त जारी की। उन्होंने 46,000 लाभार्थियों के गृहप्रवेश समारोह में भी भाग लिया, जिन्हें हाल ही में एक घर आवंटित किए गए हैं। उन्होंने योजना के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि घर का मालिक होना पूरे परिवार के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उन्हें बेहतर भविष्य की कल्पना करने में मदद करता है। उन्होंने यह भी बताया कि आवास परियोजनाएं ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में हजारों नौकरियों का सृजन कर रही हैं, जो झारखंड के समग्र विकास में योगदान दे रही हैं।

### बारिश ने डाला खलल, पीएम का रोड शो स्थगित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को जमशेदपुर दौर में टाटानगर रेलवे स्टेशन, स्टेशन पार्किंग परिया और बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में जनसभा होना था, जिसमें बारिश ने खलल डाल दी। इसकी वजह से पीएम को रांची एयरपोर्ट से ही टाटानगर रेलवे स्टेशन और स्टेशन पार्किंग परिया का कार्यक्रम ऑनलाइन करना पड़ा। पीएम रांची से करीब दो घंटे की यात्रा कर सड़क मार्ग से गोपाल मैदान तो आ गए, लेकिन बिष्टुपुर में उनका रोड शो स्थगित कर दिया गया। इस कार्यक्रम के लिए व्यापक तैयारी की गई थी।



बच्चों से वार्ता करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान  
● फोटोन न्यूज

### टाटा-पटना ट्रेन का किराया तय



JAMSHEDPUR : पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को टाटानगर से चलने वाली टाटा-पटना वंदेभारत को झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही रेलवे की ओर से टाटा-पटना वंदेभारत के लिए किराया भी तय कर दिया है। टाटा से पटना के लिए चेयर कार पर 1115 और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 2130 रुपये देने होंगे। इसमें केंटरिंग का चार्ज जुड़ा हुआ है। इसके अलावा टाटा-ब्रह्मपुर में चेयर कार के लिए 1620 और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 2815 रुपये देने होंगे। रेलवे की ओर से इन ट्रेनों के लिए बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। यह ट्रेन 18 सितंबर से यात्रियों के लिए चलाई जाएगी।

### इतना होगा किराया

चेयर एग्जीक्यूटिव कार	क्लास
टाटा से वाडिल	485 845
टाटा से मुंरी	565 1015
टाटा से बोकारो	655 1195
टाटा से गोमो	705 1300
टाटा से पारसनाथ	740 1370
टाटा से कोडरमा	865 1620
टाटा से गया	985 1855
टाटा से पटना	1115 2130

जाएगा। रविवार को पटना तक की यात्रा के लिए यात्रियों को चेयर कार के लिए 1655 और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 3030 रुपये चुकाने होंगे। दरअसल मंगलवार से शनिवार तक टाटा-पटना वंदेभारत ट्रेन नंबर 20893/20894 बनकर बोकारो-गोमो-पारसनाथ-कोडरमा होते हुए पटना पहुंचेगी। इस दौरान यह ट्रेन कुल 450 किमी का सफर तय करेगी। वहीं रविवार को यही ट्रेन नंबर 21893/21894 बनकर मुंरी-बरकाकाना-डाल्टेनगंज, गढ़वा रोड, गया होते हुए पटना पहुंचेगी।

### वंदेभारत लाइव रिपोर्ट

#### सुरक्षा व सुविधाओं के साथ आनंद की अनुभूति

भारतीय रेल ने वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन में पूर्व से मौजूद यात्री सुविधाओं के अलावा और भी कई सुविधाएं जोड़ी हैं। ये सुविधाएं इस ट्रेन को अन्य ट्रेनों से अलग करती हैं। रविवार को प्रधानमंत्री ने जिन छह वंदेभारत ट्रेनों का उद्घाटन किया, वे इस ट्रेन की सबसे अपग्रेड वर्जन हैं। इसकी सीटों को काफी आरामदायक बनाया गया है। वहीं, पूर्व की तरह गुणवत्तापूर्ण नाश्ता व भोजन की भी व्यवस्था है। इसके साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का भी खास ध्यान रखा गया है। इस ट्रेन में बेहतरीन तकनीक और आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। इसे देखते हुए किराये की बात करें तो कहा जा सकता है कि इस ट्रेन की यात्रा आनंद की अनुभूति कराने के साथ ही किफायती महसूस होगी।

#### प्रमुख विशेषताएं

वंदेभारत ट्रेन में ऑटोमेटिक प्लग डोर, एगोनोमिक रिक्लाइनिंग सीटें और एग्जीक्यूटिव क्लास में घूमने वाली सीटें शामिल हैं। हर यात्री के लिए मोबाइल चार्जिंग सॉकेट और कचर नामक सुरक्षा प्रणाली भी मौजूद है। कचर इस ट्रेन एवं यात्रियों की सुरक्षा मजबूत प्रदान करने वाला है। इसके अलावा, इन ट्रेनों में बेहतर राइड इंटेक्स की सुविधा भी है, जो यात्रा के दौरान झटकों को कम करती है। प्रत्येक कोच में बैठे यात्रियों को अगले स्टेशन की जानकारी कोच में ही मिलती रहती है। वहीं सामने लगे मॉनिटर पर ट्रेन की स्पीड भी डिस्प्ले होती रहती है।



बारिश में प्रधानमंत्री को देखने-सुनने के लिए उमड़ी भीड़  
● फोटोन न्यूज



बिष्टुपुर में कार्यक्रम प्रस्तुत करती कलाकार  
● फोटोन न्यूज



Daily

सच के हक में...

# THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज

Published from Ranchi



परिवर्तन महारैली में शामिल होने जमशेदपुर के गोपाल मैदान पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत छऊ नृत्य की तस्वीर भेंट कर किया गया। इस दौरान मंच पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, नेता विपक्ष अमर बादरी, सांसद विद्युत वरुण महतो, पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन व केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मौजूद रहे। • पीटीआई

## बारिश में नहीं उड़ा हेलीकॉप्टर, दो घंटे की यात्रा कर पहुंचे जमशेदपुर, गोपाल मैदान में रैली को किया संबोधित, बोले- जेएमएम में घुस गया कांग्रेस का भूत : मोदी

रांची में छह नई वंदेभारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी, 660 करोड़ की परियोजनाओं की रखी आधारशिला

BIRENDRA OJHA @ JSR

लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार जमशेदपुर आए और जनसभा को संबोधित किया। सड़क मार्ग से रांची से जमशेदपुर पहुंचने के बाद मोदी सीधे बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा की परिवर्तन महारैली को संबोधित किया। जोहार... से संबोधन की शुरुआत करते ही पीएम जेएमएम (झामुमो) व कांग्रेस पर बरसने लगे। उन्होंने कहा कि जेएमएम में कांग्रेस का भूत घुस गया है। कांग्रेस का भूत जब किसी दल में घुस जाता है, तो तृष्णकरण उसका एजेंडा बन जाता है। यह वही कांग्रेस है, जिसने देश पर कई दशक तक शासन किया और देश को जी भर के लूटा। अब यहां कांग्रेस और जेएमएम मिलकर देश के साथ झारखंड को लूट रहे हैं। हमें एक बात साफ समझनी होगी कि इस खतरे को यहीं पर रोकना होगा। झारखंड के नागरिकों को एकजुट होना होगा। ये आदिवासी के नाम पर राजनीति करते हैं, लेकिन आदिवासी का सम्मान नहीं करते हैं। पीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की ओर इशारा करते हुए कहा कि क्या ये आदिवासी नहीं थे। क्या ये गरीब परिवार से नहीं थे, लेकिन जेएमएम ने इन्हें अपमानित करके निकाल दिया। सीता सोरेन को भी अपने परिवार से ही अपमान सहना पड़ा। आने वाले विधानसभा चुनाव में इन्हें झारखंड और कोल्हान के लोगों



जनसभा में मोदी की तस्वीर अपने शरीर पर बनाकर पहुंचा पार्टी का कार्यकर्ता

### झारखंड के तीन दुश्मन, इनसे बचकर रहें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि झारखंड के तीन दुश्मन हैं, जेएमएम, कांग्रेस और राजद। इनसे बचकर रहें। कांग्रेस ने इतने दशक तक देश पर शासन किया, लेकिन दलित और आदिवासी को आगे बढ़ने नहीं दिया। इसी बीच पीएम ने जनता से पूछा-आप किसके साथ खड़े हैं, आदिवासियों के जंगल-जमीन पर कब्जा करने वालों के साथ खड़े हैं? जनता से नहीं मैं जवाब मिलने पर

पीएम ने कहा कि ये दल बांग्लादेशी घुसपैटियों के साथ खड़े हैं। हाई कोर्ट ने घुसपैटि की समस्या पर जांच कराने का आदेश दिया है, लेकिन यहां की सरकार मानने को तैयार ही नहीं है कि घुसपैटि कोई समस्या है। संचाल परगना में आदिवासियों की आबादी तेजी से कम होती जा रही है। घुसपैटियों का अत्याचार बढ़ रहा है। इन घुसपैटियों के कारण हर झारखंड असुरक्षित महसूस कर रहा है।

को इस अपमान का जवाब देना होगा। साफ समझ लें कि ये झारखंड और यहां के आदिवासियों के हितैषी नहीं हैं। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रांची एयरपोर्ट से छह वंदेभारत एक्सप्रेस को ऑनलाइन झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व पीएम को टाटानगर स्टेशन से वंदेभारत एक्सप्रेस को रवाना करना था, लेकिन लगातार बारिश

होने से वे यहां समय पर नहीं आ सके थे। बाद में वे जनसभा को संबोधित करने रांची से सड़क मार्ग से दोपहर करीब 1.30 बजे जमशेदपुर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के निर्माण का बदला आरजेडी व कांग्रेस उतारती है। कांग्रेस पार्टी झारखंड से नफरत करती है। देश का सबसे भ्रष्ट व महाभ्रष्ट

परिवार एक ही है, वह है कांग्रेस का परिवार। भ्रष्टाचार की सारी धाराएं कांग्रेस परिवार से निकलती हैं। ये जेएमएम वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं। उस स्कूल का नाम है कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन। एनडीए सरकार आगामी तो जांच करायेंगे : पीएम ने कहा कि झारखंड में जब भाजपा या एनडीए सरकार बनेगी तो इन सारे मामलों

### मैंने आपसे वादा किया था, इसलिए आ गया

प्रधानमंत्री ने लगातार ही रही बारिश के बावजूद जब गोपाल मैदान के मंच पर पहुंचे, तो पूरा मैदान मोदी-मोदी... के शोर से गूँज उठा। पीएम ने कहा कि मैंने आपसे वादा किया था कि आपसे आमने-सामने बात करूंगा, इसलिए आ गया। रांची पहुंचा तो मौसम खराब हो गया। हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सकता था। मैंने तय किया कि सड़क के रास्ते जाऊंगा। मुझे तब ज्यादा खुशी हुई, जब लोग भारी बारिश के बावजूद जगह-जगह मेरा स्वागत करने के लिए खड़े थे। यह प्यार मेरे जीवन की बहुत बड़ी पूंजी है। रास्ते भर बारिश भी आशीर्वाद बरसा रही थी। मैं आपके दर्शन किए बिना नहीं जा सकता था। पीएम मोदी ने झारखंड के विकास के लिए भाजपा को मौका देने का आह्वान किया। कहा कि जेएमएम और कांग्रेस जैसे दलों को आपका वोट नहीं चाहिए। ये दल मजहब के नाम पर लोगों को बांट रहे हैं। यही समय है झारखंड के हरेक नागरिक को एकजुट होना होगा, भाजपा को मजबूत करना होगा। झारखंड का निर्माण बड़े सपनों के लिए हुआ था।

की जांच कराई जाएगी। जिम्मेदार लोगों को हर प्रकार से कानूनी शिकंजा में कसा जाएगा। झारखंड की वर्तमान सरकार को युवाओं को कोई चिंता नहीं है। इस सरकार ने कोई वादा पूरा नहीं किया। यहां पेपर लीक करने वालों को शह दिया जा रहा है। ऐसी राज्य सरकार को हमें झारखंड से हटाना होगा। यह सरकार सिर्फ आपसे झूठे वादे कर सकती है।



गोपाल मैदान की जनसभा में प्रधानमंत्री के आगव पर मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर दिखाते लोग

### मंत्रियों के पास से मिलते हैं नोट के पहाड़

पीएम मोदी ने कहा कि जेएमएम सरकार ने जल-जंगल-जमीन सबमें भ्रष्टाचार किया। एक ओर यहां का गरीब अन्य शहरों में जाकर एक-एक रुपये के लिए पसीना बहाता है। दूसरी तरफ इनके मंत्रियों के घरों एवं नौकरों के पास से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं। आपको याद हैं न कैसे नोटों के पहाड़ झारखंड से निकले थे। ये आपका पैसा है, जिसे इन्होंने लूटकर कमाया था। इस चुनाव में झारखंड के खजाने को लूटने वालों का हिसाब करना आप सब की जिम्मेवारी है। इसमें आप सभी का साथ चाहिए। इन्होंने सेना तक की जमीन नहीं छोड़ी। बालू तक की लूट हो रही है। यहां के लोग बता रहे थे कि अपनी जमीन बचाने के लिए लोगों को बोर्ड लगाना पड़ता है कि 'यह जमीन बिकाऊ नहीं है। यह हालत जमशेदपुर जैसे शहरों में भी है।

### वाद कर उसे पूरा भाजपा ही करती है

पीएम मोदी ने कहा कि वादे करना और उन्हें पूरा करने का काम बीजेपी ही कर सकती है। हमने 20 करोड़ लोगों को पक्के मकान देने का वादा किया था। अब पक्के मकान मिलने लगे हैं। हर घर तक जल पहुंचा रहे हैं, किसानों को सम्मान दे रहे हैं। हम जो कहते हैं, वह करते हैं। कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं को एक-एक लाख रुपये देने का वादा किया था। जब यह राशि मांगने महिलाएं कांग्रेस के दफ्तर गईं, यहां से उन्हें खदेड़ दिया गया। जेएमएम वाले भी जब-जब कुछ देने की बात करें तो सावधान हो जाइए। उनकी ट्रेनिंग भी कांग्रेस से मिली है। मईया योजना के नाम पर तीन-तीन सौ रुपये लिए जा रहे हैं, अबुआ आवास के नाम पर 25 हजार रुपये तक की अवैध वसूली हो रही है।

### 15 युवाओं की हुई मौत, जताई संवेदना

पीएम मोदी ने कहा कि झामुमो बोखलाई हुई है। सत्ता जाने के डर से झूठ का पिटारा निकाल दिया है। भाजपाइयों को झूठे मुकदमों में फंसा रही है। पीएम ने जनता से पूछा-बेरोजगारी भत्ता मिला क्या, शहरों में रोजगार मिला क्या। गरीबों को पेटोला-डीजल मिल रहा क्या, क्योंकि यह झूठा दिलासा था। उसे भी दो महीने में बंद कर दिया गया। महिलाओं को पैसे देने के नाम पर तिकड़म लगाया जा रहा है। भर्ती परीक्षाओं के नाम पर 15 नौजवान की जान तक चली गई। इस सरकार की गलत व्यवस्था के कारण नौजवान अपनी जान गवां बैठे। प्रदेश सरकार संवेदनशील होने की बजाय उनके जख्मों को कुरदने में लगी है। पीएम ने इन नौजवानों के परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताई।



जनसभा में पहुंचने पर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

• इंटरनेट वीडियो



BRIEF NEWS

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में लगी अदालत, एक बंदी रिहा



**RANCHI :** रविवार को झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) ने होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया। डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने इसकी अध्यक्षता की। जेल अदालत के लिए आठ बंदियों का आवेदन समर्पित किये गए थे। वादों का निष्पान्न करते हुए एक बंदी को दोष स्वीकार के बाद जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा से मुक्त किया गया। इस अवसर पर न्यायिक दंडाधिकारी, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी अधिवक्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

मेडिसिन विभाग में आज डॉ. बी कुमार देंगे परामर्श

**RANCHI :** रिस की मेडिसिन ओपीडी में सोमवार को मरीजों को डॉ. बी कुमार परामर्श देंगे। सर्जरी में डॉ. शौतल मलुआ, न्यूरो सर्जरी में डॉ. आनंद प्रकाश, इंग्नेटी में डॉ. आरके चौधरी, आई में डॉ. सुनील व टीबी चेरट में डॉ. ब्रजेश मिश्र मरीजों को परामर्श देंगे।

श्री बॉल टूर्नामेंट 22 से 10 राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी दिखाएंगे हुनर

**RANCHI :** तीसरे पैरा श्री बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन पैरा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड, रांची के तत्वावधान में रांची में 22 सितंबर से 23 सितंबर तक हरिवंश ठाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में किया जाएगा। इसमें 10 राज्यों की 20 टीमों (10 पुरुष, 10 महिला) भाग लेंगी। मेजबान झारखण्ड के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तराखण्ड, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना और जम्मू कश्मीर की टीम शामिल हैं। संस्था के अध्यक्ष राहुल मेहता ने रविवार को प्रेस विज्ञापित जारी कर बताया कि दिव्यांग खिलाड़ी भी सामान्य खिलाड़ियों के भांति अच्छे प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस वर्ष झारखण्ड के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं आयोजक मुकेश कंचन ने कहा कि ऐसे आयोजन से दिव्यांग बच्चों को अपना प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल जाता है।

धुर्वा डैम में डूबकर युवती की गई जान

**RANCHI :** रविवार को रांची के धुर्वा डैम में 22 वर्षीय युवती की डूबने से मौत हो गई है। धुर्वा डैम के फाटक के पास से युवती की स्कूटी और चप्पल बरामद हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि युवती ने प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की है। युवती की पहचान धुर्वा टंकी साइड निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आदर्श नगर निवासी राहुल के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस घटना के बाद से युवती का प्रेमी राहुल फरार है। डैम में युवती के शव को ढूंढने की कोशिश जारी है।

# भाजपा पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का आरोप पीएम के सड़क मार्ग से जमशेदपुर जाने पर झामुमो ने उठाया सवाल

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को रांची से जमशेदपुर सड़क मार्ग से जाने को झामुमो ने पीएम की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बताया है। जमशेदपुर में मौसम खराब होने के कारण पीएम मोदी का हेलीकॉप्टर रांची एयरपोर्ट से जमशेदपुर के लिए उड़ान नहीं भर सका। ऐसे में पीएम मोदी जमशेदपुर के गोपाल मैदान में होने वाली जनसभा के लिए सड़क मार्ग से जमशेदपुर के लिए रवाना हुए। इसे लेकर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि राज्य के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का खोफ इतना ज्यादा है कि प्रधानमंत्री को जोखिम उठाकर सड़क मार्ग से 120 किलोमीटर की यात्रा कर जमशेदपुर आना पड़ा। बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के प्रधानमंत्री का करीब 120



किलोमीटर का सड़क मार्ग से सफर करना उनकी सुरक्षा से खिलवाड़ है। हमें अपने पुलिस कर्मियों, अधिकारियों और पदाधिकारियों पर पूरा भरोसा है। भाजपा नेताओं को लग रहा है कि अगर प्रधानमंत्री जमशेदपुर की जनसभा में नहीं पहुंचे तो उनकी पहले से तय चुनावी हार और

बीजेपी ने किया पलटवार

पीएम मोदी के सड़क मार्ग से जमशेदपुर आने पर झामुमो द्वारा उठाए गए सवाल पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विजय चौरसिया ने कहा कि हेमंत सोरेन खुद कहते हैं कि वे डर में जी रहे हैं। उनसे कोई कैसे डर सकता है। उन्होंने कहा कि दरअसल खराब मौसम के बावजूद जिस तरह से कोल्हान की जनता तापों की संख्या में जमशेदपुर में जुटी। पीएम उन्हें निराश नहीं करना चाहते थे। जनता का प्यार और सम्मान ही है कि पीएम मोदी सड़क मार्ग से भी जमशेदपुर पहुंचे।

लिफ्ट कहेंगे। सरना आदिवासी धर्म कोड की मांग मानना, 1932 खतियाना आधारित नीति को 9वीं अनुसूची में शामिल करवाना, पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण पर सहमत हो, मुंडारी और कुड़ुख को 8वीं अनुसूची में शामिल करना, झारखंड का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ वापस दिलवाना आदि

कई ऐसे विषय हैं, जिन पर प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए। पार्टी ने दूसरे पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री जमशेदपुर आ रहे हैं। बड़ा मंच सजाया गया है, लेकिन उस पर वहां के स्थानीय दलित विधायक मंगल कालिंदी को जगह नहीं दी गयी है। आखिर जब भाजपा, आजसू के विधायकों को जगह मिल सकती है तो झामुमो के विधायक को क्यों नहीं? जुगसलाई क्षेत्र में कार्यक्रम और वहां के विधायक की उपेक्षा बर्दाश्त से बाहर है। पार्टी एक अन्य एक्स पोस्ट करके कहा कि वंदे भारत के नाम पर जो लूट मचाई है आप लोगों ने झूठे हर देश वासी देख रहा है। चलिए आपको उदाहरण से समझाते हैं। कल जब आप बाबूलाल जी को राजनीति सिखाने के लिए बिहार से भी प्रभारी बनाइयेंगा तब।

## छह दोस्तों के साथ गया था घूमने जिकरा फॉल में डूबा गोस्सनर कॉलेज का छात्र आर्यन उरांव



घटनास्थल पर लोगों की भीड़।

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को कालीचरण साहू-रांची जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र के जिकरा फॉल में आईटीआई मेजर कोठी के पास रहनेवाला आर्यन उरांव डूब गया। ग्रामीणों ने उसे निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और आर्यन को पानी से निकालने का प्रयास किया। हालांकि उसे फॉल से बाहर नहीं निकाला जा सका है। आर्यन दोस्तों के साथ जिकरा फॉल घूमने गया था। वह गोस्सनर कॉलेज का छात्र है। आर्यन उरांव रविवार को 11 बजे अपने दोस्त

प्रिंस मुंडा, अभिषेक मुंडा, आशीष केरकेट्टा, अभिजीत टोप्पो, पुलकित भगत और टंडवा निवासी पंकज रजक के साथ मोटरसाइकिल से जिकरा फॉल घूमने आया था। सभी दोस्त जिकरा फॉल घूमते हुए फॉल के नीचे की ओर गए। इसी दौरान आर्यन फॉल में गहरे पानी में गिर गया और डूब गया। आर्यन के दोस्तों ने हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचकर एक स्थानीय ग्रामीण ने गहरे पानी में उतरकर उसे खोजने का प्रयास किया, लेकिन प्रयास विफल रहा।

बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री पहुंचे रांची



**RANCHI :** बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार रविवार को रेल मार्ग से पटना से रांची पहुंचे। रांची रेलवे स्टेशन पर पार्टी के नेता डॉ अफातक जमिल, श्रवण कुमार, सागर कुमार, मनोज सिन्हा, विनय भरत, अशोक शर्मा और अन्य ने उनका स्वागत किया। श्रवण कुमार ने राजकीय अतिथिशाला में पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाकात की और फिर सड़क मार्ग से जमशेदपुर रवाना हो गये। जमशेदपुर परिभ्रमण के दौरान उन्होंने जयदू विधायक सरयू राय से उनके निवास पर मुलाकात की। सरयू राय ने अपने निवास पर उनका स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं में आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई।

## एटीएम काटकर लाखों रुपये उड़ा ले गए चोर

PHOTON NEWS RANCHI :

राजधानी रांची में चोरों ने केनरा बैंक का एटीएम काट कर 6.50 लाख रुपये गायब कर दिए हैं। पूरा मामला रातू थाना क्षेत्र का है। रातू थाना क्षेत्र के सिमलिया स्थित हाजी चौक के पास शनिवार की शाम केनरा बैंक के एटीएम को काट कर चोरों ने छह लाख 50 हजार रुपये उड़ा ले गए।

एटीएम को काटने के लिए चोरों ने गैस कटर का प्रयोग किया था। संशय हुआ इस घटना ने पुलिस की गश्त की पोल खोल कर रख दी है। जिस जगह चोरों ने एटीएम को काट कर चोरी की अंजाम दिया है वो काफी भीड़ भाड़ वाला इलाका है। फिर भी चोर एटीएम काट कर पैसा उड़ा ले गए। चोरों ने एटीएम में चोरी की अंजाम देने के लिए सबसे पहले एटीएम के सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे छिड़क दिया। स्प्रे छिड़कने की वजह से सीसीटीवी में चोरों की तस्वीर भी कैद नहीं हो पाई। चोरों



ने एटीएम को काटने के दौरान एटीएम के दरवाजे को बंद कर दिया था। एटीएम में हुई चोरी की जानकारी मिलने के बाद रातू पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। रातू थाना प्रभारी रामनरयण सिंह ने बताया कि एटीएम से साढ़े छह लाख रुपये चोरी किये गए हैं। जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि तीन से चार चोरों के द्वारा एटीएम में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

राज्यस्तरीय एक दिवसीय अधिवक्ता सम्मेलन आज

**RANCHI :** राज्यस्तरीय एक दिवसीय प्रांतीय अधिवक्ता सम्मेलन का आयोजन 16 सितंबर को रांची विश्वविद्यालय स्थित आर्यभट्ट सभागार मोरबादी में होगा। यह आयोजन अधिवक्ता परिषद झारखंड के द्वारा किया गया है। यह जानकारी अधिवक्ता परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि पूरा कार्यक्रम तीन सत्रों में होगा, जो प्रातः 10:30 से शाम 4:30 बजे तक चलेगा, जिसमें पूरे राज्य से लगभग 750 अधिवक्ताओं के सम्मिलित होने की संभावना है। राजेंद्र ने बताया कि कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कृष्णा, अध्यक्ष झारखंड राज्य विधिज्ञ परिषद होंगे एवं इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक रौशन होंगे। राजेंद्र ने बताया कि अतिथि के रूप में दीपेंद्र सिंह कुशवाह, राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद सह अपर महाविधायक मध्य प्रदेश उपस्थित रहेंगे।

## हर आंगन में खुशहाली ही सच्चा परिवर्तन : संजय सेट



पुस्तक का विमोचन करते रक्षा राज्य मंत्री संजय सेट व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को सेवा भारती झारखंड के सेवा जागरण की पत्रिका सेवा सुरभि के रजत जयंती वर्ष 25वां विशेषांक युग परिवर्तन की ओर का विमोचन रक्षा राज्यमंत्री संजय सेट ने किया। सेट ने कहा कि युग परिवर्तन एक शास्त्व और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। हम प्रकृति में सतत परिवर्तन देखते हैं। हमारा देश प्रगति के पायदान पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हर आंगन में खुशहाली ही सच्चा परिवर्तन है। सरकार के साथ-साथ आज सेवा भारती संस्था अपने विभिन्न सेवा कार्यों के द्वारा सेवा बस्ती व सुदूर ग्रामों में समाजिक नवजागृति ला

## ‘कांग्रेस ने झारखंड निर्माण में निभाई अहम भूमिका’

**RANCHI :** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को कहा कि झारखंड राज्य के गठन के लिए कांग्रेस के 13 मंत्रियों ने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के इशारे पर अपना पद त्याग कर झारखंड निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। कांग्रेस और झामुमो के दबाव में बिहार विधानसभा से झारखंड अलग राज्य विधेयक पारित किया गया, जिसके फलस्वरूप झारखंड निर्माण का रास्ता साफ हुआ। कमलेश ने कहा कि झारखंड विधानसभा से सरना धर्म कोड पारित कराया गया लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने उसे टूट बंटे में डाल दिया है। नई संसद भवन का उद्घाटन हो या राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का मामला हो आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान मोदी ने समय-समय पर किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर बात करने से पहले मोदी को विगत लोकसभा चुनाव परिणाम का आकलन करना चाहिए।

## थाईलैंड में झारखंड के खिलाड़ी पवन तिकी ने लहराया परचम

PHOTON NEWS RANCHI :

विभिन्न प्रकार के खेलों के साथ-साथ एमएमए जैसे खेल प्रतियोगिताओं में भी झारखंड की अग्रणी भूमिका दिखने लगी है। थाईलैंड के हुआईन शहर में आयोजित विश्व बॉक्सिंग काउंसिल मु-थाई प्रोफेशनल फाइट का आयोजन किया गया था जिसमें झारखंड के दो खिलाड़ी सूरज कुमार एवं विनीत पवन तिकी (दोनों झारखंड) भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इसमें पवन कुमार तिकी (रांची) ने अमेरिकन फाइटर लैटर वुड को फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। हालांकि सूरज कुमार के हाथ निराशा लगी। वे सेमीफाइनल तक ही पहुंच सके। पवन तिकी ने भारत की ओर से



प्रथम स्थान प्राप्त किया। गौरतलब है कि पवन तिकी एवं सूरज कुमार, रांची स्थित मुख्य प्रशिक्षण शाखा में पिछले कई वर्षों से मुख्य प्रशिक्षक मोहित कुमार की देखरेख में प्रशिक्षण ले रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर झारखंड राज्य मिक्स मार्शल आर्ट संघ के सभी पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने भी बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

## आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटरों ने राजभवन के समीप धरना

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को झारखंड राज्य आउटसोर्सिंग कंप्यूटर संघ के सदस्यों ने राजभवन के समीप धरना दिया। इसमें सभी विभाग अंतर्गत सचिवालय एवं संगलन कार्यालय के साथ ही साथ राज्य के 5 प्रमंडलीय कार्यालय एवं 24 जिले के समाहणालय, अनुमंडल, प्रखंड, अंचल एवं अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों में कार्यरत समस्त आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर के प्रतिनिधि शामिल हुए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष नसीम अहमद प्रदेश, प्रदेश उपाध्यक्ष मो अशाफक आलम, प्रदेश सचिव अमित कुमार पांडेय, प्रदेश महामंत्री सुनील कुमार, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष खुर्शीद आलम, मीडिया प्रभारी इरशाद



धरने पर बैठे आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर।

अहमद, मो नदीम अंसारी, सुनील कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष नसीम अहमद एवं प्रदेश सचिव अमित कुमार पांडेय ने बताया की संघ द्वारा कई बार माननीय मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, वित्त सचिव, आईटी सचिव, जैप

आईटी सहित कई जगहों पर अपनी मांग चार सूत्री मांग पत्र को दिया, परंतु अब तक कोई समाधान नहीं निकला। सरकार द्वारा सम्यक कदम नहीं उठाए जाने की स्थिति में संघ द्वारा धरना दिया गया। संघ द्वारा 17 सितंबर को राज्य के सभी 24 जिलों में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम किया जाएगा।

## भाकपा माओवादी का स्थापना सप्ताह 21 से

PHOTON NEWS RANCHI :

नक्सली संगठन भाकपा माओवादी 21 सितंबर से 27 सितंबर तक स्थापना सप्ताह मनाएंगे। ऐसे में पूरे झारखंड पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। नक्सली संगठन के स्थापना सप्ताह के दौरान बड़ी नक्सली वारदात की आशंका को देखते हुए यह अलर्ट जारी किया गया है। नक्सलियों के स्थापना सप्ताह को लेकर पुलिस मुख्यालय की ओर से पूरे झारखंड में अलर्ट जारी किया गया है। खासकर झारखंड के वैसे जिले जहां नक्सलियों का प्रभाव ज्यादा है वहां विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों के एसएसपी, एसपी को पत्र भी

## पुलिस मुख्यालय ने जारी किया अलर्ट



लिखा गया है। पत्र में सभी जिलों के एसपी को निर्देश दिया गया है कि सुरक्षा के लिहाज से सभी सुरक्षा केंपों को विशेष अलर्ट पर रखा जाए। साथ ही वहां तैनात कर्मियों को भी सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए गए हैं। सीआरपीएफ, एसएसबी, जैप, आईआरबी समेत सभी सुरक्षाबलों को भी संभावित नक्सल हमलों को लेकर जानकारी देने का निर्देश जिलों के एसपी को दिया गया है।

## झारखंड मुक्ति मोर्चा भी जोरदार टक्कर देने के लिए अमी से कस चुका है कमर

# रांची विस क्षेत्र के लिए भाजपा के अनेक दावेदार

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग कभी भी घोषणा कर सकता है। एक तरह से देखा जाए तो सभी पार्टियां अपनी-अपनी तैयारी में अभी से जुटी हुई हैं। चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगमी भी तेज हो गई है। यदि रांची विधानसभा सीट की बात करें तो यह सीट भाजपा के लिए सबसे सेफ मानी जाती है। प्रमुख सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने पिछले चुनाव में भाजपा को जोरदार टक्कर दी थी और इस बार भी देने को तैयारी कर रही है। जैसे-जैसे झारखंड विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों में हलचल भी

तेज हो गई। भाजपा में हलचल कुछ ज्यादा ही है। टिकट के कई दावेदार भी कतार में खड़े हैं। कोई विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच पसीना बहा रहा है तो कोई दिल्ली पहुंचकर गणेश परिक्रमा कर रहा है। विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा में टिकट को लेकर पूरे प्रदेश में रायशुमारी हो रही है। मंडल अध्यक्षों और प्रमुख कार्यकर्ताओं को टटोला जा रहा है। संगठन की ओर से रायशुमारी के लिए नेताओं को जिम्मा भी दिया गया है। रांची विधानसभा की सीट भाजपा के लिए हॉट सीट है। यह सीट पूरे प्रदेश में भाजपा के लिए सर्वाधिक सेफ सीट मानी जाती है। इस सीट पर कई दावेदार हैं। भाजपा के अंदरूनी इस सीट को लेकर



शह-मात का खेल चल रहा है। संभावित प्रत्याशी अपना हर दांव लगा रहे हैं। भाजपा कार्यसमिति के सदस्य रमेश सिंह भी रस में हैं। रांची सीट को लेकर 11 सितंबर को रायशुमारी हुई थी। चर्चा है कि झामुमा नेतृत्व ने राज्यसभा सांसद महुआ माजी को एक बार फिर से विधानसभा चुनाव मैदान में उतारने

का मन बना लिया है। यही कारण है कि पिछले कुछ दिनों से महुआ माजी लगातार हर छोटे-बड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। हालांकि हालांकि गठबंधन की ओर से यह तय नहीं हुआ है कि रांची सीट पर किस दल का प्रत्याशी होगा। क्योंकि, प्रमुख सत्ताधारी दल में शामिल कांग्रेस पार्टी ने भी रांची सीट पर दावा किया है। रांची विधानसभा सीट भाजपा के लिए कई दशकों से सबसे सेफ सीट रही है। यही वजह है कि इस सीट के दावेदार भी ज्यादा हैं। क्योंकि प्रत्याशी जानते हैं कि वहां से टिकट मिलने से उन्हें विधानसभा का सदस्य बनने से कोई नहीं रोक सकता है। रांची विधानसभा सीट से लगातार भाजपा के प्रत्याशी जीतते

आए हैं। खासकर चंद्रशेखर प्रसाद सिंह ने जीत की डबल हैट्रिक लगाई है लेकिन 2024 का विधानसभा चुनाव रांची विधानसभा सीट के लिए थोड़ा मुश्किल माना जा रहा है। इसके पीछे की वजह 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो की प्रत्याशी महुआ माजी का सीपी सिंह को टक्कर देना है। 2019 के चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी के पाले में अच्छे वोटिंग हुई थी। भाजपा से लगातार जीत हासिल करने वाले सीपी सिंह ने करीब 5000 वोटों से महुआ माजी को शिकस्त दी थी। यही वजह है कि 2024 के विधानसभा चुनाव में भी रांची विधानसभा सीट में भाजपा के हार-जीत को लेकर सस्पेंस है।

## 27वीं एक्सपो उत्सव : थाईलैंड, दुबई व अफगानिस्तान के स्टॉल होंगे आकर्षक

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड का सबसे बड़ा कंन्स्यूमर फेयर, एक्सपो उत्सव 2024 अपने 27वें संस्करण के लिए पूरी तरह तैयार है। इस भव्य आयोजन का ब्रोशर और पोस्टर रविवार को लालपुर स्थित एक होटल में जारी किया गया। इस मौके पर जेसीआई रांची के प्रमुख पदाधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों ने एक्सपो के विभिन्न आकर्षणों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद महुआ माजी थीं। उन्होंने एक्सपो उत्सव के लगातार सफल आयोजन के लिए जेसीआई रांची के सभी सदस्यों और आयोजन समिति की सराहना की। कहा कि यह सिर्फ एक कंन्स्यूमर फेयर नहीं है, बल्कि यह छोटे और नए



उद्यमियों को अपने उत्पाद और प्रतिभा को एक बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर भी देता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एक्सपो की शुरुआत छोटे टाउन हॉल से हुई थी और आज यह आयोजन बड़े मोरबादी मैदान में हो रहा है। उनके अनुसार, एक्सपो अब झारखंड का चेहरा बन चुका है, क्योंकि इसमें विभिन्न राज्यों और कुछ विदेशी प्रतिभागी भी शामिल होते हैं। इस वर्ष के एक्सपो उत्सव 2024 में कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इनमें मारुति, एलजी, डाइकिन, एचपी, लेनोवो, पॉलीकेब, सीपी प्लस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, अफगानिस्तान, थाईलैंड, तुर्की, दुबई और अन्य देशों के स्टॉल धारक भी इस फेयर में भाग लेंगे जिससे इसे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन बना दिया गया है।





Niharika Konidela's Sequin Bling...

## SARAFI

सोना : 6,795

चांदी : 94.05

(नोट : सोना 22 केरेट प्रति ग्राम)

## BRIEF NEWS

जम्मू-कश्मीर में 72 घंटे के भीतर छठा एनकाउंटर

**SRINAGAR :** जम्मू-कश्मीर में बीते 72 घंटे में चौथी बार आतंकीयों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। रविवार (15 सितंबर) की दोपहर कटुआ के नुकनली नाला में गोलीबारी हो रही है। सेना और पुलिस को आतंकीयों के होने की जानकारी मिली थी। सेना और पुलिस जब इलाके में जाँट और परेशान चला रही थी। तभी आतंकीयों ने टीम पर गोलीबारी की। इलाके में 2-3 आतंकीयों के छिपे होने की आशंका जताई गई है। इससे पहले आज सुबह पुष्प में सेना और आतंकीयों के बीच मुठभेड़ हुई। मंदर के गुरसाई टॉप के पास पटानतीर इलाके में 2-3 आतंकी छिपकर सेना पर फायरिंग कर रहे हैं। यहाँ भी ऑपरेशन जारी है। सेना ने बताया कि एनकाउंटर वाली जगह पर और जवानों को भी भेजा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर में बीते 3 दिनों में 6वाँ एनकाउंटर है। अब तक 5 आतंकी मारे जा चुके हैं और 2 जवान शहीद हुए हैं। किश्तबाद के नैदयाम गांव में शुक्रवार दोपहर को मुठभेड़ शुरू हुई। इसमें जैश-ए-मोहम्मद के 3 आतंकीयों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इस एनकाउंटर में 2 जवान शहीद हुए थे।

हर डॉक्टर का होगा यूनिट आईडी नंबर

**NEW DELHI :** देश में अब हर डॉक्टर की एक अलग पहचान होगी। उन्हें एक यूनिट आईडी नंबर दिया जाएगा। सरकार ने सभी डॉक्टरों के लिए नेशनल मेडिकल रजिस्टर (एनएमआर) में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया है। डॉक्टरों को एमबीबीएस सर्टिफिकेट, रजिस्ट्रेशन और आधार कार्ड सबमिट करना होगा। इस पोर्टल को नेशनल मेडिकल कमीशन ने तैयार किया है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने हाल ही में एक नोटिस जारी किया था। इसमें लिखा था, इंडियन मेडिकल रजिस्टर (आईएमआर) में रजिस्टर्ड सभी एमबीबीएस डॉक्टरों को अब नेशनल मेडिकल रजिस्टर (एनएमआर) में भी रजिस्ट्रेशन करना होगा। इस पोर्टल को देश के सभी मेडिकल कॉलेज/इंस्टीट्यूट, स्टेट मेडिकल काउंसिल भी जुड़े होंगे।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति की हत्या की साजिश में 6 गिरफ्तार

**NEW DELHI :** दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की हत्या की साजिश के आरोप में वर नेवी सील कमांडो समेत 6 विदेशियों को गिरफ्तार किया है। सीएनएन के मुताबिक, वेनेजुएला के गृह मंत्री डियोसदाडा कबेलो ने दावा किया है कि यह साजिश अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने रची थी। राष्ट्रपति मादुरो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वर कमांडो के अलावा अमेरिका के 2 और नागरिक, स्पेन के 2 लोगों और एक चक रिपब्लिक के शख्स को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा अधिकारियों ने 400 अमेरिकी राष्ट्रपति भी जब्त की हैं। वेनेजुएला के गृह मंत्री कबेलो ने कहा कि सीआईए के साथ साजिश में स्पेन का नेशनल इंटरलिंग्वेस सेंटर भी शामिल था। उनका मकसद राष्ट्रपति मादुरो समेत उप-राष्ट्रपति और कई दूसरे राजनेताओं की हत्या करना था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी यात्रा में उठाया था एफ-404 इंजन में देरी का मामला

## वायुसेना को जल्द मिलेगा एलसीए तेजस एमके-1ए

## AGENCY NEW DELHI :

भारतीय सेवा के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस एमके-1ए पर इजरायली सॉफ्टवेयर का परीक्षण पूरा हो गया है। अब अंतिम परीक्षण के बाद अक्टूबर के अंत तक भारतीय वायु सेना को पहला तेजस एमके-1ए मिलने का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान तेजस एमके-1ए में लगने वाले इंजन की आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया था। सहमति बनने के बाद इंजन निमाता कंपनी ने कार्यक्रम संशोधित किया है, जिसके मुताबिक भारत को नवंबर से नए जनरल इलेक्ट्रिक एफ-404 इंजन मिलने लगेंगे।

## कामयाब रहा मस्क का स्पेस मिशन, धरती पर लौटे चार एस्ट्रोनाट

## AGENCY NEW DELHI :

स्पेस साइंस के लिए बड़ी उपलब्धि। स्पेसएक्स का पोलारिस डॉन क्रू 15 सितंबर को पृथ्वी पर वापस लौट आया। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ने दोपहर 1:06 बजे फ्लोरिडा के ड्राइ टोटगार्स कोस्ट पर लैंडिंग की। पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय स्पेसक्राफ्ट की रफ्तार 27000 किलोमीटर प्रति घंटे थी। हवा से टकराने के कारण घर्षण पैदा हुआ और तापमान 1900 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। एलन मस्क की कंपनी के फाल्कन-9 रॉकेट से पोलारिस डॉन मिशन को 10 सितंबर को लॉन्च किया गया था। 5 दिन के इस मिशन में 4 एस्ट्रोनाट जिस ऑर्बिट (1408.1 किलोमीटर) में गए थे, उसमें 50 साल से ज्यादा समय से कोई एस्ट्रोनाट नहीं गया।

## ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की पानी में हुई लैंडिंग, वापसी में 27000 KMPH की स्पीड, 1900 डिग्री था तापमान

## 10 सितंबर को लॉन्च हुआ था पोलारिस डॉन मिशन



## मिशन का सबसे मुश्किल हिस्सा था लौटना

किसी भी स्पेस मिशन का सबसे मुश्किल हिस्सा पृथ्वी पर लौटना होता है। सुरक्षित रूप से घर पहुंचने के लिए, क्रू ड्रैगन कैप्सूल ने डी-ऑर्बिट बर्न शुरू किया। 4-मीटर चौड़े ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के नीचे लगी हीटशील्ड एस्ट्रोनाट्स को इस तापमान से सुरक्षित रखा। जैसे-जैसे स्पेसक्राफ्ट नीचे आया, उसकी रफ्तार को धीमा किया गया। इसकी रफ्तार को और ज्यादा धीमा करने के लिए पैराशूट खोले गए और पानी में लैंडिंग हुई। यहां एक स्पेशल बोट पर पहले से बचाव दल मौजूद है। एस्ट्रोनाट्स को कैप्सूल से निकालने से पहले बचाव दल ने फाइलर सेप्टी चैक किया, फिर उन्हें पानी से जमीन पर लेकर गए। एस्ट्रोनाट्स ने पृथ्वी पर वापस लौटने के बाद खुशी जाहिर की। एस्ट्रोनाट्स ने पृथ्वी पर वापस लौटने के बाद खुशी जाहिर की। इस मिशन का मकसद पहली प्राइवेट एक्सट्राव्हीकर एक्टिविटी (स्पेसवॉक) था। साथ ही इसी नैसवस्थ से जुड़ी 36 रिसर्च और एक्सपेरिमेंट भी इस मिशन में किए गए।

## फाल्कन-9 दुनिया का पहला

## आर्बिटल व्लास रीयूजेबल रॉकेट

फाल्कन-9 एक रीयूजेबल (दोबारा इस्तेमाल होने वाला), टू-स्टेज रॉकेट है, जिसे स्पेसएक्स ने पृथ्वी की कक्षा और उससे आगे तक एस्ट्रोनाट्स और पेलोड ले जाने के लिए बनाया है। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट 7 एस्ट्रोनाट को स्पेस में ले जाने में सक्षम है। यह इकलौता प्राइवेट स्पेसक्राफ्ट है, जो इसानो को स्पेस स्टेशन तक ले जाता है। 2010 में ड्रैगन की पहली टेस्ट फ्लाइट हुई थी। पोलारिस डॉन, पोलारिस प्रोग्राम के तीन प्लान्ड मिशन्स में से पहला है। इसे जेरेड आइस्कैमन फंड कर रहे हैं। यदि सब कुछ प्लान के अनुसार हुआ तो तीसरी पोलारिस फ्लाइट स्टारशिप का पहला क्रूड मिशन होगा। स्टारशिप दुनिया का सबसे ताकतवर रॉकेट है, जिसकी टेस्टिंग चल रही है।

## सिसोदिया भी नहीं लेंगे पद, पार्टी विधायक चुनेंगे नया मुख्यमंत्री

## केजरीवाल का एलान, दो दिन बाद सीएम पद से करेंगे रिजाइन

## AGENCY NEW DELHI :

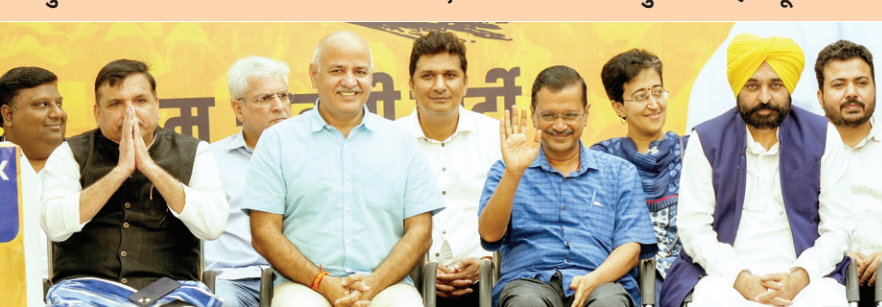
13 सितंबर को जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद 15 सितंबर यानी रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने सबको चौंकाते हुए कहा, मैं दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूँ। भाजपा ने मुझ पर बेईमानी, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, जब तक जनता अपना फैसला नहीं दे देती, मैं सीएम पद पर नहीं बैदूंगा। मैं हर घर और गली में जाऊंगा और जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना दे कि केजरीवाल इमानदार है, तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैदूंगा। पहले उन्होंने इस्तीफा इसलिए नहीं दिया, क्योंकि वह लोकतंत्र को बचाना चाहते थे। उन्होंने कहा- दो-तीन दिनों में विधायकों की बैठक में नया सीएम चुना जाएगा। चुनाव तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैदूंगा।

● पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

● कहा- भाजपा ने मुझ पर बेईमानी, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

● जब तक जनता फैसला नहीं दे देती, मैं सीएम की कुर्सी पर नहीं बैदूंगा

● हमने बड़े दुश्मनों से लड़ाई लड़ी, हमारे नेता अभी भी जेल में



## फर्जी केस लगाने पर इस्तीफा न दें नेता

केजरीवाल ने कहा, 'हमने बड़े दुश्मनों से लड़ाई लड़ी है। हमारे नेता सर्येंद्र जैन, अमानतुल्ला खान अभी भी जेल में हैं। उम्मीद है कि वे जल्द ही बाहर आ जाएंगे। आगे उन्होंने कहा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को उनके साथियों से मिलने की अनुमति दी जाती थी,

लेकिन मेरे पार्टी सहयोगी सदीप पाठक को मुझसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई। भगत सिंह को बटुवेश्वर नाथ के साथ अंग्रेजों ने रखा था क्योंकि दोनों एक ही अपराध में आरोपी थे। यहां मुझे और मनीष सिसोदिया को अलग अलग जेल में रखा गया। केजरीवाल ने कहा

कि भाजपा आज पार्टियों को तोड़ रही है। मुझे हुई सरकार के नेताओं पर फर्जी केस लगाकर उन्हें जेल में डालती है, लेकिन इस्तीफा नहीं देने से भाजपा का यह प्लान फेल हो गया। उन्होंने सभी नेताओं से अपील की है कि वह फर्जी केस लगाने पर इस्तीफा न दें।

जाएगा। चुनाव तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैदूंगा।

केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया पर भी वही आरोप हैं,

जो मुझ पर हैं। उनका भी यही सोचना है कि वे भी पद पर नहीं रहेंगे, चुनाव जीतने के बाद ही पद संभालेंगे।

## ईश्वर की ताकत आपके साथ : मनीष

इससे पहले दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, भाजपा देश का सबसे बड़ा राजनीतिक कुचक्र रच रही थी कि एक चुने हुए मुख्यमंत्री और उसकी टीम को जेल में डाले और उसकी पूरी पार्टी को खस कर दे। अगर आप सच्चाई के रास्ते पर चल रहे हो तो आप ईश्वर के रास्ते पर चल रहे हो। जब आप ईश्वर के रास्ते पर चल रहे तो ईश्वर की ताकत आपके साथ होती है। आज ईश्वर की ताकत हम सबके साथ है। इस दौरान संजय सिंह ने कहा, आम आदमी पार्टी को बंदनाम करने, झुकाने और तोड़ने के लिए तानाशाह नरेंद्र मोदी और बीजेपी ने हजारों कुचक्र रचे, लेकिन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में उन सभी कुचक्रों को नाकाम किया गया।

## आज गुमला, खूंटी, रांची, पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा में खूब बरसेगा पानी

## झारखंड के छह जिलों में भारी वर्षा का रेड अलर्ट

## PHOTON NEWS RANCHI :

मौसम के मिजाज ने एक बार फिर झारखंड में बड़ा टर्न लिया है। पिछले दो दिनों से झामझम बारिश हो रही है। यह अगले और दो दिनों तक जारी रहेगी। भारी बारिश के कारण नदियां और डैमों का जलस्तर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने कुछ दिनों पहले ही झारखंड में भारी बारिश की चेतावनी दी थी। राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में कहीं भारी तो कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान



## महुआडांड में आंधी-बारिश से भारी नुकसान

लातेहार जिले के महुआडांड और बरवाडीह में आंधी और बारिश से काफी नुकसान हुआ है। बरवाडीह में तेज आंधी में पेड़ गिरने से दुर्गा मंडप शेंद टूट गया और 8 मीटर साइकिलें दब गईं। महुआडांड/मैदिनीनगर के

बीच गारु मुख्य मार्ग पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित है। महुआडांड के रजडडा नदी का पानी पुल के उपर से बहने के कारण आवागमन प्रभावित है। गढ़वा जिला मुख्यालय में दानरो नदी उफान पर है।

## हरियाणा विधानसभा चुनाव



## अनिल विज की सीएम पद पर दावेदारी, कहा मैं सबसे सीनियर नेता

**AMBALA :** हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री और अंबाला फेड के भाजपा उम्मीदवार अनिल विज ने मुख्यमंत्री पद पर दावा टोका है। उन्होंने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विधायक-मंत्री रहते हुए खुद के कराए काम गिनाए। विज ने कहा, 'मैं सबसे सीनियर नेता हूँ। अपनी सीनियरिटी के दम पर मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा। पार्टी बनाती है या नहीं, यह उनका फैसला है। विज से पहले गुरुग्राम से सांसद और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी सीएम पद के लिए अपना दावा पेश कर चुके हैं। 29 जून 2024 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंचकुला में नाथ सैनी के चेंबर पर हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी। इसके बावजूद हरियाणा के कई सीनियर लीडर सैनी के नाम पर नाराजगी जता रहे हैं। मैंने आज तक कोई पद नहीं मांगा, लेकिन... सारे हरियाणा से लोग आ रहे हैं। मैं जहां-जहां गया, लोग कहे रहे हैं कि आप सीनियर हो, उठ क्यों नहीं बने? मैं उन लोगों की मांग पर अपनी सीनियरिटी के दम पर मुख्यमंत्री बनने का दावा पेश करूंगा। पार्टी बनाती है या नहीं, यह उनका फैसला है। विज ने कहा कि मैंने आज तक कोई पद नहीं मांगा, लेकिन आज दावा पेश कर रहा हूँ।

## भारत को नवंबर से अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक शुरू करेगी इंजन की आपूर्ति

## रडार में किया गया है सुधार

## AGENCY NEW DELHI :

भारतीय वायु सेना के साथ फरवरी 2021 में अनुबंध होने के बाद हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट्स लिमिटेड को इसी साल मार्च से नए विमान की आपूर्ति होगी थी। विमान ने पहली उड़ान मार्च में मरी थी, जिसके बाद वायु सेना को सौंपे जाने से पहले कई परीक्षण किए गए हैं और कई अभी बाकी हैं। सॉफ्टवेयर में बदलाव की मांग वायु सेना ने की थी, जिसके चलते विमान की डिलीवरी में कमी से कमी चार महीने की देरी हुई है। पहला तेजस विमान बी श्रेणी के इंजन के साथ दिया जाएगा।

## रडार में किया गया है सुधार

वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सॉफ्टवेयर का काम पूरा हो चुका है और पहला विमान अक्टूबर के अंत तक डिलीवरी हो जाएगा। सॉफ्टवेयर में अपग्रेड के चलते वायु सेना को समय पर विमान की आपूर्ति को लेकर आशंका थी। जब 1983 में एलसीए कार्यक्रम शुरू किया गया था, तब 1994 तक पहले विमान की आपूर्ति करने की योजना थी। दिसंबर 2013 में तेजस को शुरूआती परिवारान मजुरी मिली और 2019 में वायु सेना को अंतिम मजुरी के साथ पहला विमान दिया गया। परिवर्तन शुरू होने के 18 साल बाद 2001 में प्रोटोटाइप विमान

## रडार में किया गया है सुधार

उड़ान भर पाया। यह वायु सेना के ऑर्डर किए गए 40 विमानों में से एक था, जिनमें से चार की डिलीवरी अभी बाकी है। एचएएल के मुताबिक तेजस एमके-1ए में डिजिटल रडार चेतानवी रिसीवर, एक बाहरी ईसीएम पॉड, एक आत्म-सुरक्षा जैमर, एडएसए रडार, रडारखाम में आसानी और पब्लियनिकस, वायुगतिकी, रडार में सुधार किया गया है। इसमें उन्नत शॉर्ट रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (एएसआरएएम) और एस्ट्रो एमके-1 एयर टू एयर मिसाइल लगाई जाएगी। तेजस एमके-1 ए के 20 विमान प्रति वर्ष वायुसेना को मिलेंगे।

## करम डाल विसर्जन के दौरान नदी में डूब गई 4 बच्चियां, एक की गई जान



## PHOTON NEWS SAHIBGANJ :

रविवार की सुबह राजमहल थाना क्षेत्र में करमा पूजा के करम डाल विसर्जन के दौरान तेंवना नाला नदी में चार बच्चियां डूब गईं। तत्काल प्रयास कर लोगों ने तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन एक को नहीं बचाया जा सका। उसके मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, राजमहल थाना क्षेत्र के टेकबथान गांव के मुकेश यादव की पुत्री प्रियंका कुमारी (9) एवं रिया कुमारी (12) चचेरी बहन विकास यादव की पुत्री सोनामी कुमारी (10) तथा प्रदीप यादव की पुत्री चांदनी कुमारी (9) के साथ गांव से लगभग 500 मीटर दूर डेढ़गामा-टेकबथान गांव के बीच बने तेंदुवा नाला (नदी) में करमा पूजा समाप्ति के बाद पूजा सामग्री का विसर्जन करने गई थीं। इसी दौरान विसर्जन चारों डूबने लगीं। बगल में मछली मार रहे डेढ़गामा गांव के संजय मंडल ने देखा कि कुछ बच्चियां डूब रही हैं। संजय मंडल ने अकेले ही तेंदुवा नाला नदी में छलांग मार कर जैसे-तैसे एक-

● लोगों ने प्रयास कर तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाला  
● लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद चौथी बच्ची को निकाला जा सका  
● तुरंत ले जाया गया हॉस्पिटल, डॉक्टर ने जांच कर घोषित किया मृत

एक कर तीन बच्चियों को बाहर निकाला। इसमें अन्य ग्रामीणों में भी मदद की। तीनों बच्चियां चबराई सहमी हुई थीं। लगभग 10 मिनट के बाद मुकेश यादव की 11 साल की दूसरी पुत्री रिया कुमारी ने कहा कि मेरी छोटी बहन प्रियंका कुमारी नदी में रह गई है। यह कहते हुए तीनों बच्चियां चिल्लाते हुए रोने लगीं और कहने लगीं, मेरी बहन डूबी हुई है। कोई उनको बचाओ।

## सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीण

थोड़े समय में ही यह सूचना पूरे गांव में फैल गई। इन्होंने ही परिजनों के साथ दोनों गांव के सैकड़ों लोगों को भीड़ घटनास्थल पर जुट गईं। दोनों गांवों के ग्रामीण व परिजन प्रकाश मंडल, राजनाथ यादव, अशोक यादव, शिव कुमार, सुब्रह्मण्य यादव, मुकेश यादव, हरेश यादव सहित अन्य लोगों ने मछली मारने वाले जाल वह अन्य सामग्री से डूबी हुई एक

बच्ची की खोजबीन शुरू दी। लगभग तीन घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद चौथी बच्ची को बाहर निकाला जा सका। तुरंत उसके अस्पताल ले जाया गया। जांच करने के बाद डॉ. उजय कुमार टुडू ने प्रियंका कुमारी को मृत घोषित कर दिया। इस बीच राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने कहा कि बच्ची डूबने से मौत हुई है।

## शवों को निकालने के लिए क्रेन की लेनी पड़ी मदद

## ट्रक-कार की भिड़त में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

## AGENCY BHOPAL :

रविवार की सुबह राजस्थान के बूंदी जिले के हिंडोली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर ट्रक और कार के बीच हुई भिड़त में मध्य प्रदेश के छह लोगों की मौत हो गई। कार सवार लोग देवास से खाटू श्याम के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। हादसे में छह लोगों की मौत पर ही मौत हो गई। मृतकों में मदन (45) पुत्र शंकर, महेश (28) पुत्र बादशाह, पूनम (35) पुत्र जगराम, राजेश (35) पुत्र पनना, मांगीलाल (45) पुत्र अंकार और भूरा (38) पुत्र धन्नालाल शामिल हैं। सभी मध्य

● कार के उड़ गए परखच्चे देवास से जा रहे थे खाटू श्याम  
● मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा

प्रदेश के देवास जिले के ग्राम बेड़ाखाल के रहने वाले थे। हादसे में प्रदीप पुत्र मांगीलाल, मनोज पुत्र रवि और अनिकेत पुत्र राजेश घायल हुए हैं। इनमें प्रदीप को गंभीर हालत में कोटा रेफर किया गया है। शेष दो घायलों का स्थानीय अस्पताल में उपचार जारी है।



## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : सेवा के सौ वर्षों की स्वर्णिम यात्रा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 बरस का होने जा रहा है। संघ संप्रति दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। दुनिया का कोई भी देश ऐसा स्वयंसेवी संगठन नहीं बना पाया। डॉ. हेडगेवार ने इसकी स्थापना विजयदशमी (स= 1925) के दिन की थी। तबसे अब तक हजारों झंडावात झेलते हुए संघ लगातार सक्रिय है। संघ की कार्य पद्धति विशिष्ट है। इसके बारे में कम लोग जानते होंगे। कई स्वयंभू विद्वान संघ को ब्रेनवाश कर देने वाला संगठन मानते हैं। कई इसे सांप्रदायिक भी कहते हैं। केवल कहते ही नहीं संघ का विरोध करने के लिए हिंदू विरोधी तमाम घटनाओं में संघ की साजिश बताते हैं, लेकिन संघ अपने सेवा कार्यों में संलग्न रहता है। डॉ. हेडगेवार द्वारा रोपा गया बीज अब विराट वृक्ष बन गया है। संघ और भाजपा के रिश्तों पर बहस चलती है। तब भाजपा का नाम जनसंघ था। देश की राजनीति में तुष्टीकरण था। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के दबाव में ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने भारतीय स्वाधीनता की घोषणा 20 फरवरी 1947 को की। मुस्लिम लीग की अलग मुल्क की मांग पर युद्ध जैसी आक्रामकता थी। कड़ुपंथी अलगाववाद को तुष्टीकरण का पुष्टाहार मिला। देश बंट गया। हजारों हिंदू मारे गए। महात्मा गांधी की भी हत्या हुई। संघ पर प्रतिबंध लगा। पाकिस्तानी कबाइली हमला (1948) हुआ। तत्कालीन राजनैतिक दल व नेता राष्ट्रवाद से दूर थे। हिंदुओं के मर्म से दूर थे। एक राष्ट्रवादी दल की आवश्यकता थी। श्री गुरुजी की प्रेरणा से भारतीय जनसंघ की स्थापना (1951) हुई। जम्मू कश्मीर के दो निशान, दो प्रधान, दो विधान का विरोध, गोवा विषेध और समान नागरिक कानून जैसे राष्ट्रवादी मुद्दे गरमाए। सरसंचालक गुरु जी ने गोवा विषेध व हिंदू श्रद्धा स्थान को नष्ट करने की प्रवृत्ति पर लिखते (1952) हुए कथा, गाय अनादि काल से आराध्य है। समाज विजेता के उन्माद में पराजित जाति को अपमानित करते हुए श्रद्धा स्थानों को नष्ट करना, धन-मान लूटना मानो विजय आनंद लेना है। तिब्बत पर चीनी कब्जा हुआ, गुरु जी ने इसे हृदय विदारक (18 अर्ह 1959) बनाया। भारत पर चीन का हमला 1962 में हुआ था। तत्कालीन सरसंचालक ने दिल्ली में कहा था, सेना के लोगों को प्रोत्साहन देना चाहिए। उनके परिवारों की सहायता करनी चाहिए। जाति, भाषा और राजनीति सहित सभी मतभेदों को हृदय से हटाए। हमारा समूचा राष्ट्र और उसके सामने खड़ा शत्रु, केवल इतना ही ध्यान में रखें। संघ चीन युद्ध के दौरान सरकार के साथ था। राजनैतिक दलों व संघ के ध्येय व लक्ष्यों में भी अंतर है। संघ की दृष्टि में पृथ्वी माता है। भारत माता है। संघ के लोग इसी संघ में निर्यात भाव से जुटे हैं। संघ के स्वयंसेवकों ने स्वाधीनता संग्राम में हिस्सा लिया था। लेकिन, राहुल गांधी ने संघ के संबंध में अपनी समझ में एक मजेदार टिप्पणी की है। उनकी इस टिप्पणी की खासी चर्चा है। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कुछ मतों व भाषाओं को कमतर आंकता है। राहुल गांधी की टिप्पणी निराधार है। राहुल गांधी ने कुछ समय पहले संघ को समझने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा था कि संघ से सीधी लड़ाई लड़ने के लिए उपनिषद और गीता पढ़ेंगे। आलोचना बुरी नहीं होती। प्रत्येक व्यक्ति और संगठन को आलोचना का अधिकार है। लेकिन, संघ काक्षकार्य पारदर्शी है। कह सकते हैं कि संघ एक ओपेन यूनिवर्सिटी है। राष्ट्र का सर्वांगीण विकास व अभ्युदय के लिए संघ के स्वयंसेवक सदा तत्पर रहते हैं। नासमझी में अनेक सुशिक्षित विद्वान भी संघ के आलोचक हैं। तुष्टीकरणवादी वोट बैंक के कारण संघ की निंदा करते हैं। राष्ट्रीय स्तर के एक वरिष्ठ पत्रकार खुशवंत सिंह से द्वितीय सरसंचालक मस गोलवलकर की भेंट हुई थी। उनसे मिलने के बाद खुशवंत सिंह ने लिखा था, कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनको बिना समझे ही हम घृणा करते हैं। ऐसे लोगों की मेरी सूची में गुरु गोलवलकर प्रथम थे। खुशवंत सिंह ने आरएसएस एंड हिंदू मिलिटरीज्म के हवाले से कई सवाल पूछे। ईसाइयों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में गुरु जी ने कहा, धर्मांतरित करने के तरीकों के अलावा हमारा उनसे कोई विरोध नहीं है। मुसलमानों के बारे में कहा कि मुसलमानों को भारतीयता के प्रवाह में मिल जाना चाहिए। ईरानी मुलू के पत्रकार डॉ. जिलानी से कहा, पाकिस्तान ने पाणिनि की 5000वीं जयंती मनाई है। पाणिनि पूर्वज हैं। भारत के मुसलमान पाणिनि, व्यास और वाल्मीकि आदि को महान पूर्वज क्यों नहीं मानते। भारतीय राष्ट्रवाद प्राचीन धारणा है। यहां राष्ट्र संस्कृति आधारित है। इस राष्ट्रवाद के स्रोत वैदिक वांगमय में हैं। ऋग्वेद, अथर्ववेद में राष्ट्र शब्द की आवृत्ति कई बार हुई है। स्वयंभू विद्वान स्वाधीनता संग्राम के दौरान विकसित राष्ट्रभाव को अलग मानते हैं और सनातन राष्ट्रवाद को कमतर। स्वाधीनता आंदोलन हर तरह से प्रत्येक भारतवासी को प्रिय है। स्वाधीनता आंदोलन के आदर्श व मूल्य आदर योग्य हैं। दुर्भाग्य से भारत को आजादी मिलने के बाद नए सत्ताधारी राष्ट्रवाद से प्रथक हो गए। बॉक्सर चंद्र चटर्जी द्वारा लिखी गई अंतरराष्ट्रीय ख्याति की कविता छव्दें मातरमम्ब के एक हिस्से को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत घोषित किया था। लेकिन, स्वाधीनता के बाद अनेक पंथिक मजहबी संस्थाओं ने वही मातरम गाने से इनकार किया, लेकिन संघ के कार्यक्रमों में वंदे मातरम प्रशंसा पूर्वक गाया जाता है। आज भारत के कोने-कोने में वंदे मातरम का गान होता है। वंदे मातरम गाने से इनकार करने वाले संगठन अकड़ते रहे। संघ ने सबको साथ लेते हुए भारतीय राष्ट्रवाद को सर्वोपरि बताया है। सांस्कृतिक प्रतीकों को सम्मान देने की परंपरा संघ ने यत्र-तत्र-सर्वत्र प्रसारित की। संघ की सांगठनिक क्षमता बड़ी है।

## पेरिस पैरालिंपिक के संदेश को समझना जरूरी

### ANALYSIS



आर .के . सिन्हा

पहली बार भारतीय एथलीटों के लिए खेलगांव में एक स्पेशल रिकवरी सेंटर बनाया गया था। इससे खिलाड़ियों को चोटों से उबरने और अपनी फिटनेस को तेजी से सुधारने में मदद मिली, जिससे वे अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रख सके। भारत ने पेरिस पैरालिंपिक में 77 कोच और सहयोगी स्टाफ भेजे, जो टोक्यो पैरालिंपिक में भेजे गए 45 कोच और सहयोगी स्टाफ से कहीं ज्यादा थे। इससे खिलाड़ियों को बेहतर मार्गदर्शन और देखभाल मिली, जिसका सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा। पैरालिंपिक में देश की भागीदारी ने केवल 16 वर्षों में एक उल्लेखनीय उछाल लगाई है। 2008 में बीजिंग पैरालिंपिक में पांच एथलीटों के मुकाबले अब भारतीय दल 84 हो गया है। बीते रविवार खेलों की समाप्ति से पहले भारतीय पैरालिंपियन ने एक भारतीय रेस्तरां में सुखादु भोजन का आनंद भी लिया।

पेरिस में ओलिंपिक खेलों में लंचर प्रदर्शन के बाद पैरालिंपिक में भारतीय एथलीटों के प्रदर्शन से सारा देश खुश है। हमारे एथलीटों ने अपने उल्लेखनीय और शानदार प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है। इन दिव्यांग खिलाड़ियों ने शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अपने उल्लेखनीय खेल से हरेक भारतीय को प्रेरित किया है। भारत ने पैरालिंपिक में 29 पदकों (सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य) जीते, जो कि अब तक का एक रिकॉर्ड है। इसमें कोई शक नहीं है कि पदक तालिका में भारत का 18वां स्थान, सरकार द्वारा दिव्यांग खिलाड़ियों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन और सुविधाओं में बढ़ोतरी का ही प्रमाण है। इस पैरालिंपिक में भारतीय कोचों और सहायक कोच भी पेरिस में खिलाड़ियों को हर तरह के सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में मौजूद थे। पहली बार भारतीय एथलीटों के लिए खेलगांव में एक स्पेशल रिकवरी सेंटर बनाया गया था। इससे खिलाड़ियों को चोटों से उबरने और अपनी फिटनेस को तेजी से सुधारने में मदद मिली, जिससे वे अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रख सके। भारत ने पेरिस पैरालिंपिक में 77 कोच और सहयोगी स्टाफ भेजे, जो टोक्यो पैरालिंपिक में भेजे गए 45 कोच और सहयोगी स्टाफ से कहीं ज्यादा थे। इससे खिलाड़ियों को बेहतर मार्गदर्शन और देखभाल मिली, जिसका सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा। पैरालिंपिक में देश की भागीदारी ने केवल 16 वर्षों में एक उल्लेखनीय उछाल लगाई है। 2008 में बीजिंग पैरालिंपिक में पांच एथलीटों के मुकाबले अब भारतीय दल 84 हो गया है। बीते रविवार खेलों की समाप्ति से पहले भारतीय पैरालिंपियन ने एक भारतीय रेस्तरां में सुखादु भोजन का आनंद भी लिया।



समाप्ति से पहले भारतीय पैरालिंपियन ने एक भारतीय रेस्तरां में सुखादु भोजन का आनंद भी लिया। हमारे खिलाड़ी जश्न के मूड में थे। वे जश्न मनाने के हकदार भी थे। यदि 2021 के टोक्यो पैरालिंपिक में ही भारत ने संकेत दे दिए थे कि अब भारत पैरालिंपिक खेलों के बढ़ावा देने का बेताब है, तो 2024 के पेरिस पैरालिंपिक उस ख्याब को हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने काफी हद तक सच भी साबित कर दिया। एक दौर था, जब भारत इन खेलों में दो-चार पदक ही ले पाता था। अब वे दिन चले गए। भारत अब दो अंकों में पदक हासिल कर रहा है और आसानी से अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। बेशक पिछले टोक्यो खेलों में भारत के 19 पदक के प्रदर्शन ने देश में पैरालिंपिक खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक लंबी छलांग लगाई थी। इस अर्थ में पेरिस में यह देखा जा सकता है कि भारत इन खेलों में तेजी से आगे बढ़ रहा है अथवा नहीं। पैरालिंपिक में हमारे श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही देश और समाज को दिव्यांगों के प्रति

अधिक उदार और मानवीय रवैया अपनाना होगा। अभी भी दिव्यांगों के हक में बहुत कुछ किया जाना शेष है। क्या हमारे देश में दिव्यांगों के मनमाफिक घरों या कमर्शियल इमारतों का निर्माण हो रहा है, कतई नहीं। अब लकड़ी होम, सी-फेसिंग प्लैट, एलिट होम वगैरह के दौर में कितने बिल्डर और आर्किटेक्ट सोचते भी हैं दिव्यांगों के मनमाफिक घर बनाने के संबंध में बहुत ही कम। अफसोस है कि हमारे यहां दिव्यांगों के लिए हाई-राइस बिल्डिंगों और दूसरे घरों में पर्याप्त जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर सही ढंग नहीं सोचा जा रहा। दिव्यांगों को लेकर रीयल एस्टेट कंपनियों और आर्किटेक्ट बिजनेस को ज्यादा संवेदनशील रख अपनाना होगा। रीयल एस्टेट क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेक होल्डर्स को विकलांगों और बुजुर्गों के लिए सुगम या कठें कि यूजर फ्रेंडली घर बनाने चाहिए। हालांकि भारत में रीयल एस्टेट सेक्टर ने बीते चर्दे दशकों के दौरान लंबी छलांग लगाई है, पर उन रीयल एस्टेट कंपनियों को उंगलियों पर गिना जा

सकता है, जो दिव्यांगों तथा बुजुर्गों की सुविधा का ध्यान रखकर निर्माण कर रही हैं। उदाहरण के लिए आपको इस तरह की आवासीय और कमर्शियल इमारतें कम ही मिलेंगी, जिनमें विकलांगों की व्हीलचेयर को लिफ्ट के अंदर लेकर जाया जा सकता है। लिफ्ट में इतना कम स्पेस रहता है कि व्हीलचेयर अंदर लेकर जाना मुश्किल नहीं होता। बाथरूम और किचन में कैबिनेट इतनी ऊंचाई है कि दिव्यांगों को लीवर शब्द के लिए उनका इस्तेमाल करना बेहद कठिन होता है। इस तरह के मसलों को देखने की जरूरत है। अमेरिका में उन्हीं रियलटर्स को दिव्यांगों को घर मुहैया करवाने की इजाजत दी जाती है, जो इसके लिए योग्य और प्रशिक्षित हैं, लेकिन भारत में ऐसा कोई कानून भी नहीं है। देश में 16 किस्म की मान्य विकलांगता है। भारत में मानसिक और शारीरिक तौर पर विकलांग लोगों को रोजाना किसी न किसी तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में करीब दो करोड़ 60 लाख

विकलांग हैं। हालांकि गैरसरकारी संगठनों के मुताबिक इनकी संख्या और बढ़ी है और वे छह और सात करोड़ के बीच हैं। संबंधित सरकारी महकमों को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि बिल्डर और आर्किटेक्ट दिव्यांगों के मनमाफिक ही इमारतें खड़ी करें। दिव्यांगों को देश के बाकी नागरिकों की तरह देखा जाना चाहिए। उन्हें अहसानों की जरूरत नहीं, पर सामाजिक सम्मान के वे अवश्य हकदार हैं। पेरिस पैरालिंपिक के विजेताओं को भी उसी तरह पुरस्कृत किया जाए, जैसे ओलिंपिक खेलों के विजेता हुए हैं। विकलांगों के आवास के लिए विशेष योजना बनाने की जरूरत है। व्हीलचेयर पर चलने वाली आबादी का मानना है कि कहीं भी प्रवेश की सुविधा होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक दिव्यांग को अपने घर से बाहर, कॉलेज या दफ्तर जाने के लिए, बस पकड़ने, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जाने या अन्य सार्वजनिक इमारतों में प्रवेश की वैसी ही सुविधा होनी चाहिए, जैसी सामान्य लोगों के लिए होती है। देश में स्थिति यह है कि अधिकतर स्थानों पर विकलांग व्यक्ति आसानी से जा नहीं सकते। अगर पश्चिम के देशों की बात करें तो वहां सार्वजनिक भवनों के गेट बहुत भारी-भरकम नहीं होते, जिससे व्हीलचेयर पर बैठ व्यक्ति भी बिना किसी अन्य सहायता के स्वयं सुगमता से आ-जा सकता है। सभी प्रसाधन स्थान भी इन सुविधाओं को ध्यान में रख बनाए गए हैं। लिफ्ट में खासतौर पर ऑपरेशनल स्विचों को नीचे की तरफ लगाया जाता है, जिससे विकलांग व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। पेरिस पैरालिंपिक देश के लिए एक संदेश भी है कि हमें दिव्यांगों को उनका हक देना ही होगा।

## 'तरंग शक्ति' : मजबूत होता हमारा डिफेंस सिस्टम

भारत की निरंतर बढ़ती रक्षा क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर उजागर करने तथा विविध भागीदारी अंतरराष्ट्रीय रक्षा संबंधों की मजबूती में अभ्यास के महत्व को रेखांकित करने के लिए जोधपुर में आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे भारत की रक्षा कूटनीति और सैन्य सहयोग में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना की मेजबानी में जोधपुर में हुए सबसे बड़े बहुपक्षीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति' का दूसरा चरण 14 सितंबर तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें भारत के अलावा सात देशों अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, ग्रीस और यूएई के विमानों ने एक साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। 'तरंग शक्ति' वायु अभ्यास का उद्देश्य विभिन्न देशों की वायु सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता में सुधार, आधुनिक युद्ध में सामूहिक सुरक्षा और परिचालन प्रभावशीलता को

बढ़ाना है। इस 'वॉर एक्सरसाइज' में भारतीय वायुसेना और विदेशी विमान आसमान में अपना कोशल दिखा कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जोधपुर के आसमान में जब भारत की 'सूर्य किरण टीम' ने 9 हॉक्स विमानों के जरिये जोधपुर के आसमान में 'तिरंगा' बनाते हुए विलक्षण करतब दिखाए तो हर कोई दांतों तले उंगली दबाए निहारता रह गया। 'तरंग शक्ति' के दौरान 9 सितंबर को जोधपुर में भारत की तीनों सेनाओं ने उस समय इतिहास कर दिया, जब पहली बार जल, थल और वायु सेना के उप-प्रमुखों ने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस ने उड़ान भरी। यह पहला अंतरसर था, जब आर्मी के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमण्य, एयरफोर्स के वाइस चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और नौसेना के वाइस चीफ कृष्णा स्वामीनाथन ने 'तेजस' में उड़ान भरी और भारत के तीनों वाइस चीफ की ये उड़ान भारत के लिए रणनीतिक तौर पर अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

तरंग शक्ति में भारतीय वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिराज, जगुआर और तेजस विमान पूरी दुनिया को अपना जलवा दिखाया, वहीं अमेरिका के ए-10 थंडरबोल्ट, ग्रीक के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन, ऑस्ट्रेलिया के एफ-18 हॉर्नेट, जापान के मिसुबिशि एफ-2 सहित अन्य देशों के एफ-16 विमान के साथ आई टीमों ने साथ मिलकर एयर-टू-एयर तथा एयर-टू-ग्राउंड ऑपरेशन में अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। 'तरंग शक्ति' के पहले और दूसरे चरण में कुल 800 सैनिक शामिल हो हुए। ऑस्ट्रेलिया की रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स ने भारतीय वायुसेना के 'तरंग शक्ति' अभ्यास के दूसरे चरण में हिस्सा के लेने के लिए पहली बार अपने लड़ाकू विमानों को भारत भेजा था। 12 सितंबर को भारतीय वायुसेना ने 'डिफेंस एक्सपो' शुरू हुआ। इसमें स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस, लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर ध्रुव शामिल हुए। साथ

ही अन्य हथियारों का भी प्रदर्शन किया गया। बता दें कि 'तरंग शक्ति' का आयोजन पहले 2023 के अंत में करने की योजना थी, लेकिन कुछ कारणों से उसे उस समय टाल दिया गया था और अब आयोजित हुए इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में स्वदेशी वायु रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विशेष रूप से भारत की रक्षा उत्पादन क्षमताओं को दर्शाया गया। इस वायु अभ्यास में भारतीय वायुसेना अपने हल्के लड़ाकू विमान, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर तथा हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी प्लेटफार्मों का प्रदर्शन किया। 'तरंग शक्ति' अभी तक में आयोजित हुए अंतर-भारत का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय वायु अभ्यास है, जो अपने यथार्थवादी युद्ध परिदृश्यों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के लिए जाने जाते रहे अमेरिका के नेतृत्व वाले 'रिड प्लैंग' अभ्यास से प्रेरित बताया जाता है। करीब तीन महीने पहले 4 से 14 जून 2024 तक अलास्का में आयोजित हवाई

अभ्यास 'रिड प्लैंग 2024' के दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना ने भी हिस्सा लिया था। सिंगापुर तथा अमेरिकी विमानों के साथ भारतीय राफेल भी उस संस्करण में शामिल हुआ था। इन आयोजित मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लाज फोर्स एंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बिर्बांड विजुअल रेंज युद्ध अभ्यास शामिल थे। अमेरिका द्वारा 'रिड प्लैंग' अभ्यास वर्ष में चार बार आयोजित किया जाता है और इसके दूसरे संस्करण में भारतीय वायुसेना के अलावा सिंगापुर वायुसेना, ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स, रॉयल नीदरलैंड्स वायुसेना और जर्मन लुफ्तवाफे ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय वायुसेना ने रेंड प्लैंग में पहली बार 8 राफेल लड़ाकू विमान तैनात किए थे, जिन्हें ट्रान्साटलांटिक यात्रा के लिए आईएल-78 मध्य-हवा में ईंधन भरने वाले विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर विमान की भी

सहायता मिली थी। भारतीय वायुसेना द्वारा इससे पहले 1 से 10 अप्रैल 2024 तक अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए 10 दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास 'गगन शक्ति-2024' भी आयोजित किया जा चुका है, जिसमें देश के सभी वायुसेना स्टेशन बारी-बारी से शामिल हुए थे। उस युद्धाभ्यास में करीब 11 हजार वायु सैनिकों ने हिस्सा लिया था। 'गगन शक्ति-2024' में चीन और पाकिस्तान के साथ दो मोर्चों पर युद्ध के लिए तैयारी की परिष्करण भी किया गया था। उस हवाई सैन्य अभ्यास में तेजस, राफेल, सुखोई-30, जगुआर, मिराज 2000, चिनुक, आर्पा, प्रचंड, ट्रांसपोर्ट विमान ग्लोबमास्टर, सी-130 जे सुपर हरक्यूलस, सी-295 ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था। उस दस दिवसीय हवाई सैन्य अभ्यास में केवल भारतीय वायुसेना के ही सभी वायुसेना स्टेशन शामिल हुए थे जबकि 'तरंग शक्ति' में दुनिया के कुछ प्रमुख देश भारतीय वायुसेना के साथ हिस्सा ले रहे हैं।

## Social Media Corner

### सब के हक में...

झारखंड के मेरे हजारों परिवारजनों के पक्के घर का सपना पूरा करने के लिए नए लक्ष्यों के लिए पीएम आवास योजना-ग्रामीण की पहली किस्त जारी की गई है। इसके साथ ही हजारों लोगों को पक्का घर भी बनाकर दिया गया है। इससे जहां उन्हें अपना घर मिल रहा है, वहीं उनका आत्मसम्मान भी बढ़ा है।  
(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस पर सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं। आपका अथक परिश्रम भारत की महिलाओं को सशक्त बनाने में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उनके सम्मान, समानता और सुरक्षा के लिए आपके संघर्ष और समर्पण को सलाम है।  
(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)



इंजीनियर्स दिवस पर सभी इंजीनियरों को बधाई। यह दिन सर एम विश्वेश्वरैया की विरासत को याद करता है जिन्होंने हमारे देश में आधुनिक इंजीनियरिंग की नींव रखी। भारत उनके जबरदस्त योगदान और उन सभी इंजीनियरों द्वारा किए गए प्रयासों को याद करता है जिन्होंने हमारे देश को और मजबूत करने के लिए लगातार काम किया है।  
(राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट)



केजरीवाल की जमानत पर पक्ष-विपक्ष के दावों के बीच इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट ने फिर से यह रेखांकित किया कि जमानत नियम और जेल अपवाद है। वह यह बात पहले भी कई बार कह चुका है। क्या उसकी यह बात निचली अदालतों और यहां तक कि उच्च न्यायालयों तक पहुंच नहीं पा रही है। आबकारी नीति घोटाले में अंततः दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। ऐसा होने के आसार इसलिए बढ़ गए थे, क्योंकि उनके पहले इस मामले में जेल भेजे गए अन्य लोगों को भी जमानत मिल चुकी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देते समय उन पर कई शर्तें लगाईं और उनके तहत वह मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं जा सकते और किसी सरकारी फाइल पर उपराज्यपाल की अनुमति के बिना हस्ताक्षर भी नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने जिस तरह यह कहा



कि सीबीआई को अपने को पिंजरे के तोते वाली छवि से मुक्त करना चाहिए, वह इस एजेंसी के लिए एक बड़ा आघात है। यह ठीक है कि उक्त न्यायाधीश ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध नहीं कहा, लेकिन उन्होंने गिरफ्तारी के समय पर यह सवाल उठाते हुए सीबीआई को असहज ही किया कि आखिर पर यह सवाल उठाते हुए सीबीआई को असहज ही किया कि आखिर उसने उन्हें तब क्यों गिरफ्तार किया, जब उन्हें इंडी के मामले में जमानत मिल गई। यदि इस सवाल के चलते आम आदमी पार्टी के नेता सीबीआई की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं तो उन्हें गलत कैसे कहा जा सकता है। यह पहली बात नहीं है, जब सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट

बीच इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट ने फिर से यह रेखांकित किया कि जमानत नियम और जेल अपवाद है। वह यह बात पहले भी कई बार कह चुका है। क्या उसकी यह बात निचली अदालतों और यहां तक कि उच्च न्यायालयों तक पहुंच नहीं पा रही है। यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि अरविंद केजरीवाल हों या मनीष सिसोदिया अथवा के. कविता या फिर अन्य मामलों में जेल गए दूसरे नेता, उन्हें आमतौर पर जमानत तभी मिल सकती, जब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। आखिर लोगों को निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों से जमानत क्यों नहीं मिल पाती। यह वह प्रश्न है, जिसका उत्तर न्यायपालिका को देना है और यह दिया ही जाना चाहिए। इसी तरह यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि अधिकतर मामलों में ट्रायल शुरू होने में देरी क्यों होती है। ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट प्रायः जमानत इसलिए भी दे देता है, क्योंकि यह पता नहीं होता कि ट्रायल कब शुरू होगा।

## बेहतर कदम, मगर और भी...

केंद्र सरकार द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जय) का कवरज बढ़ाकर 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को भी इसमें शामिल किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है। इस योजना में आमदनी की परवाह किए बिना सभी बुजुर्गों को शामिल किया गया है और इस तरह इससे 6 करोड़ लोगों को मुफ्त इलाज का फायदा मिल सकेगा। लोगों की जेब पर पड़ने वाले भार को नजर से देखें तो भारत स्वास्थ्य के मद में दुनिया के सबसे खचीले देशों में एक है। इसलिए इस आयु वर्ग के लोगों को सालाना 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य कवरज का फैसला एक काबिल-ए-तारीफ कदम है, लेकिन इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य के मद में उद्देश्य पूरे नहीं होते, जो इस लक्षित आबादी के लिए बेहद जरूरी हैं। सबसे बड़ी बात है कि यह स्वास्थ्य आश्वासन योजना अस्पताल में माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के लिए भर्ती होने तक ही सीमित है। इसमें ओपीडी, निदान और दवाओं को शामिल नहीं किया गया है, जो बीते कुछ दशकों में भारत में फैल रही कुछ क्रॉनिक बीमारियों को देखते हुए बेहद जरूरी था। जीवन प्रत्याशा के बढ़ने और कम उम्र में इन बीमारियों की जड़ में आने का मतलब है कि 70 साल से ज्यादा उम्र के लोग अक्सर कई क्रॉनिक बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। इसलिए स्वास्थ्य के मद में बुजुर्गों का ज्यादातर खर्च ओपीडी (40-80 फीसदी) में होता है, जिसे योजना में कवर नहीं किया गया है। 2018 में अपनी शुरुआत से लेकर अब तक ज्यादातर राज्यों के छोटे शहरों और कस्बों में पीएम-जय योजना की पहुंच बहुत ही सीमित है। दक्षिण भारत को छोड़ दें, तो भारत में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की बुरी तरह से उपेक्षा की गई है। अलग-अलग और माध्यमिक जन स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, तो इससे अपने आप तृतीयक देखभाल का भार तेजी से कम हो जाएगा।



## National interest, balance of power continue to reign supreme

DURING a recent dialogue on 'A Global Order in Churn: Seeking Solutions' and their implications in the contemporary strategic context, a stray reference to two books written in the early and mid-1990s prompted a think.

These books were The End of History and the Last Man (1992) by American political scientist Francis Fukuyama and The Clash of Civilisations and the Remaking of World Order (1996) by Samuel P Huntington. Fukuyama's book was a sequel to a 1989 article that he wrote in a magazine called National Interest a couple of months before the collapse of the Berlin Wall. He argued that "What we may be witnessing is not just the end of the Cold War, or the passing of a particular period of post-war history, but the end of history as such: that is, the end point of mankind's ideological evolution and the universalisation of Western liberal democracy as the final form of human government..."

Essentially, what he argued was that the Western liberal and democratic model would be the default option of the global order in the years and decades ahead. On the other hand, Huntington argued in his book that the epoch of ideology had reached an inflection point, and thereafter, humankind would regress into an age delineated by cultural conflict all over again. In his hypothesis, he argued that, henceforth, the primary axis of conflict would be along cultural trajectories. He postulated that the template of diverse civilisations as the pinnacle of cultural distinctiveness would evolve into a progressively efficacious matrix in analysing both the potential for conflict and the genesis of actual conflict. In a 1993 Foreign Affairs article, he prophesied about 'the clash of civilisations' by submitting that "This is not to advocate the desirability of conflicts between civilisations. It is to set forth descriptive hypothesis as to what the future may be like." Both Fukuyama and Huntington were gazing into the crystal ball, trying to predict the ebb and flow of historical and Westphalian impulses in shaping the post-communist world order that had led to a unique situation of unipolarity in international affairs, with the US emerging as the only hegemon after the dismemberment of the Soviet Union, the collapse of its Eastern European satellite states that brought about an end to 'bloc politics' that had characterised the post-World War II global milieu.

Most three decades later, how did both these seminal treatises measure up in predicting the train of global events since their publication in the 1990s. This becomes especially relevant at a point in time when, after the end of World War II, humankind is witness to a three-continent conflict playing itself out concurrently. These battles are the Russia-Ukraine War that began in February 2022, the Israel-Hamas conflict that broke out in October last year and the rise of China over the past three decades that has attained portentous overtones in large parts of the world beyond the immediate Chinese realms in North Asia, Southeast Asia and South Asia.

Rewinding to September 11, 2001, when semi-state actors put the only omnipresent hyper power in the world, the US, on notice by crashing passenger-filled jet liners into the World Trade Centre, liberal democracy certainly has not emerged as the global choice. The events of 9/11 opened a new chapter in global affairs, wherein the 'war on terror' became the new buzzword to invade nation-states that were tyrannical in their disposition but by no stretch of imagination directly involved in the events that took place on that tragic September morning in New York. The invasion of the Taliban-controlled Afghanistan, codenamed Operation Enduring Freedom, on October 7, 2001, was not a clash of civilisations but a tactical attempt to get even with the masterminds of 9/11, namely the Osama bin Laden-led Al-Qaeda that had.

## BJP can't afford to take Jammu for granted

THE GREAT GAME: This large and unwieldy region may tip the balance in the upcoming Assembly elections

THE national highway from Jammu to Kathua is peppered with one-liner BJP hoardings that seek to drive home simple 'before' and 'after' messages between 2014 — when the former state last voted, to the situation today — when the Union Territory goes to the polls again in a few days, after a whole decade. Dark images of smoke, flailing hands and burning cars on one side of the hoardings have been juxtaposed with bright, shiny pictures that hope to symbolise hope and prosperity. A photo of Prime Minister Narendra Modi, central to the BJP's advertising campaign, is splashed right across the frame. Matam-Swagatam. Dar-Nidar. Shanti-Ashanti. And then the line, "shanti, shirta aur vikas/Jammu ko Modi par vishwas." Peace, stability and progress. That's why Jammu believes in Mo

The big question, of course, is whether Jammu will believe in Modi as well as the BJP's local candidates staking their claim to 43 constituencies in this large and unwieldy region south of the Pir Panjal — although these Assembly elections are being fought for the first time in an altered, rejigged landscape after the recent delimitation of constituencies added six more seats to the region. Another five candidates will be nominated to the new Assembly — making up a total of 95 MLAs, compared to 87 before. Saam. Daam. Dand. Bhed. In this part of the world, where the international boundary with Pakistan is within spitting distance, all of Chanakya's ancient wisdom that bespeaks endearment, bribery, punishment and betrayal are certainly being employed by all political parties to win the affections of the people. For the BJP, which won 25 seats in 2014, all from Jammu — but failed to get any from the Valley — the stakes are clearly enormous.

On the streets, there is confusion. If the "hum ko kya mila" war cry is allowed to further fester in the heart of pro-BJP Jammu, which votes on October 1, it might just tear down the fortress. Voters are dealing with the daily nightmare of awful traffic (Nitin Gadkari's ministry is building bridges and new flyovers), while 'smart city' promises of covering open drains and cleaning up garbage dumps haven't materialised. Pensions are delayed and government scheme beneficiaries find it difficult to negotiate faceless online processes which constantly break down — and then you have to bribe the same old

people, anyway. More over, the rest of India is travelling to the Valley in search of the latest Insta memory in its tulip gardens, summer on the Dal and winter in Gulmarg-Pahalgam. Everyone's bypassing Jammu — 15 out of 25 trains, packed with tourists, go straight to the Vaishno Devi temple in Katra. Business is slow. The fear of the outsider is both real and unreal, especially because the few corporates wanting to invest here are still hesitating to invest large sums. Even the two spanking new AIIMS hospitals, one IIM and IIT were promised during the BJP-PDP government that lasted from 2015 to 2018. None of this is new.



Jammu is discovering today what UP and Bihar have known forever — that politicians promise things and then disappear into thin air. But of course Jammu doesn't like being treated like a poor, second cousin. This very real problem, the acute and palpable disconnect between the BJP leadership and its flock, can be fixed, of course, but the question is whether it's already too late. (It helps the BJP that the Congress-National Conference alliance is either in deep disarray in these parts or doesn't exist altogether.) The question over how much RSS ideologue Ram Madhav can do — he who had been instrumental in negotiating the BJP-PDP alliance, was subsequently mothballed by the Modi government and only recently pulled out of that offending corner — is a real one. PM Modi's rallies across the UT over the next few days, the party

desperately hopes, will help it turn the corner. The question is why. Did the BJP take Jammu for granted, like an ageing, uncomplaining wife, precisely because Jammu had always voted in its favour? Both parties know that this is the heart of the ideological battle, the fire-burn that has for decades churned the heart of Hindutva.

When Bharatiya Jan Sangh ideologue Syama Prasad Mookerjee died allegedly of a heart attack in June 1953 at Lakhnampur, he was trying to enter Jammu to protest the implementation of Article 370 by the immensely powerful and charismatic duo of Jawaharlal Nehru and Sheikh Abdullah. That Article had constituted a reassurance to the Muslim-majority Kashmiri population — which had chosen to reject the two-nation theory by rejecting Pakistan and acceding to India — that they would be safe in a Hindu-majority India.

Mookerjee's death stirred the RSS-BJP into making the abrogation of Article 370 part of its core ideology, but the debate would soon, more or less, falter into history. The rest of India had so much else to do. There it would lie, unclaimed, until Modi, in August 2019, decided to permanently banish the argument. Article 370 was abrogated because the RSS-BJP believed that Hindu-majority Jammu deserved better than to play second fiddle to the Kashmiri Muslim elite that was predominant in the Valley. Jammu had always held up its side of the bargain. It celebrated on the streets when Article 370 was revoked — in contrast, as we all know, the Valley was shut down, the Internet was shut down, protests were disallowed and political leaders arrested.

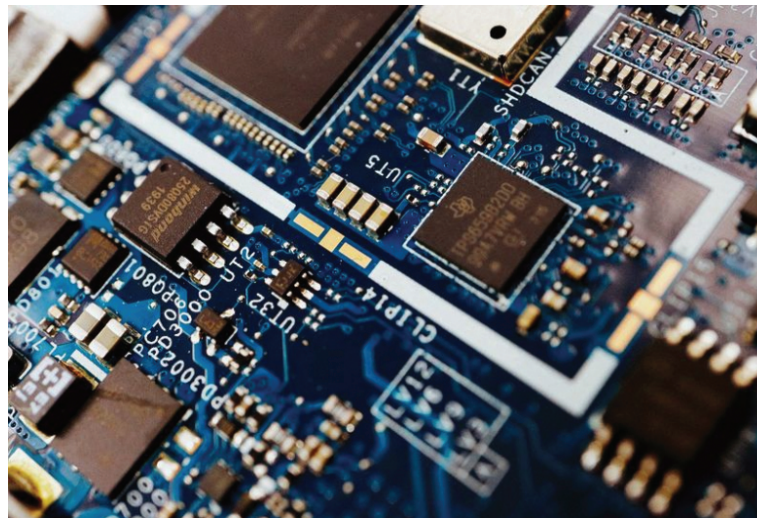
That's why the coming elections, hard-fought on the ground, constituency by constituency, mohalla by mohalla, village by village, are so important. Will Jammu give the BJP what it wants — enough seats it can use as a lever to negotiate a return to power in the newly refurbished Jammu & Kashmir? Or will it have to settle for less, with the region telling its mentors to go back and play by different rules. To bury Article 370 forever, but to also reach across the ideological divide and join the Valley and Plains together. To bridge the Himalayan gap. To recharge the whole of Jammu & Kashmir.

## Chip challenge

Competitive field makes India's task tough

INDIA is nurturing the grand ambition of becoming a global hub of semiconductor manufacturing. The ongoing Semicon India 2024 conference in Greater Noida is showcasing the country's semiconductor strategy and policy. PM Narendra Modi's catchy remark — "the chips are never down in India" — is an open invitation to industry stakeholders to make big-ticket investments here. Indeed, India's growth story is worth betting on, but the government's sustained support will be required to fulfil the PM's promise of providing an integrated ecosystem to international players.

It is no exaggeration to say that semiconductors power the contemporary world. Chips are everywhere — be it smartphones, cars, washing machines, pacemakers or aeroplanes. That's why this is a highly competitive field. Taiwan, which is home to thousands of semiconductor-related companies and has a robust end-to-end supply



chain, is the global numero uno. Among the other leading nations are South Korea, Japan, the US and China. The

Covid-19 pandemic slowed down the manufacture of semiconductors, particularly in Taiwan and China. Amid these large-scale disruptions, India got its foot in the door by launching the ISM (India Semiconductor Mission) in 2021. A critical lesson from the pandemic was that the global supply chain should be diversified.

India is eyeing a bigger piece of the pie, but the road ahead is going to be anything but easy. Even as Asian nations are wooing investors with incentives, the US is projected to triple its domestic semiconductor manufacturing capacity by 2032, a decade after the CHIPS and Science Act was enacted. Beyond the optimism and hyperbole, India needs to set clear-cut timelines for achieving its goals. Ease of doing business holds the key to attracting long-term investments. India's semiconductor ecosystem is no doubt at an early stage, and there should be no reluctance to learn from other countries' experience.

## The wall between judiciary, executive must not fall

Our expectations of good conduct are far higher for judges than for politicians. Politicians can and do get away with things much more easily.

IMAGES are as powerful as oral messages, often more so. One can play with words, retract or deny. A picture, however, is a plain reflection which captures the moment. Just like Omar Khayyam's phrase "the moving finger writes and having writ moves on", so too can one say that "the picture has been clicked and once clicked the subjects cannot move out".

Many comments have been made on the photograph of Prime Minister Narendra Modi participating in Ganapati Puja at the residence of Chief Justice of India DY Chandrachud. It is likely that this arose from a polite invitation which was responded to, and the heads of the executive and the judiciary conducted themselves with propriety when they met. It is unlikely that any conversation would have transpired which should cause us alarm. Nevertheless, the dust does not settle easily, and perfect equanimity does not attend this image. There is a constitutional distance that must be maintained between the judiciary and the executive; the doctrine of separation of powers creates a wall between the two. Checks and balances are the stuff of democracy, but they are to be had only if the parties stand some distance apart and not chummily close to each other. In a democracy, the judiciary is the watchdog, the sentinel on the qui vive. It is the guardian and enforcer of the Constitution; it tempers the mighty State and makes it responsive to the plea of the hapless citizen. All this implies an elevation and a distancing; only if these two are there can we have the picture of the one who does not spare the rod when the other gets out of hand.

Judges and ministers are not supposed to be friends. There have been earlier instances when prime ministers have spoken of cordial relations between the executive and judicial branches and have been promptly corrected by Chief Justices, who pointedly referred to the need for a certain tension between the



government and the court and the constitutional requirement of the latter acting as a check on the former. Only thus is the constitutional balance maintained. The problem is one of precedent. Granted that there was no lack of a good motive on the part of the inviter and the invitee, yet the test to be applied is how this would look on a larger, repetitive scale. Would we feel comfortable if ministers and judges freely mix with one another at religious functions? And then why stop at religious functions, why not social functions too? Let's not get into private dinners. Once the line breaks, the natural order of things is that it will break again and again. More than anybody else, judges are aware of the power of precedent. One breaks the ranks and accepts to become a governor virtually under the

Home Ministry, and lo and behold, after several years, another does, and this time there is less protest. Good conventions require much effort in their making, but the reverse is true of breaches, as in a dyke, one breach will occasion several more. The problem is also one of perception. The judiciary is no stranger to the axiom that justice must not only be done but must be seen to be done. Similarly, the separation of powers involves barriers and distancing and this must be seen to be erected and to exist not just in the performance of official functions but every moment. Conformity to convention will not draw comment, but dissonance will get magnified. That is why those holding high offices must be particularly circumspect in the public imagery that they send forth. Ultimately, in these things, it is not for the high

and mighty to be satisfied that nothing is amiss. We must come lower to meet the eyes of the common man. The law affords a particular place of importance to this person who has no real shape (save in RK Laxman's drawings) but comes alive in the books of law. He represents the public at large, those whose good opinion one must secure for governance to be said to be good. If one pictures this little man, can one see him sanguine or would we see him perplexed and a little troubled on seeing this photograph? That's the simple test, and at the end of the day it is this test that matters. There are critical comments about the Chief Justice having invited the Prime Minister, but surely the PM also has the duty to uphold conventions and respect propriety. That said, it is the judiciary which is more damaged if the contact is looked at askance. This is because our expectations of good conduct are far higher for judges than for politicians. Part of the reason we surrender to them the power of deciding between right and wrong is because they are upholders of right, convention and propriety.

Politicians can and do get away with things much more easily; what would occasion the raising of eyebrows with respect to a judge will not cause a flicker with respect to a politician. Society needs these fine upholders of high values — and these values — to be on constant display. There is no need for excessive criticism or alarm and one should not read too much into this incident; yet, it is best if everyone learns a cautionary lesson from it. Our codes of conduct can be written, but it is in observance that the tone is set and the lesson ingrained. Of legal luminaries Motilal Setalvad and CK Daphtary it was said that when they were around, there was no need for a code of conduct; one had to just ask what they would have done in the circumstances. That is what we require today of our men and women holding high judicial offices.



## Adani Wins Bid to Supply 6,600 MW of Electricity, Rs 4.08/unit Tariff Beats JSW, Torrent: Report

**New Delhi** Adani group has won a bid to supply 6,600 MW of bundled renewable and thermal power to Maharashtra for the long term after its quote of Rs 4.08 per unit beat the likes of JSW Energy and Torrent Power, sources said. Its bid for the bundled renewable and thermal energy supply for 25 years was almost a rupee lower than the cost at which Maharashtra currently procures electricity and will help meet future electricity requirements of the state, two sources with direct knowledge of the matter said. Supplies are to start in 48 months from the date of award of the letter of intent.

As per the bid conditions, Adani Power will supply solar power at a fixed cost of Rs 2.70 per unit throughout the entire supply period, while that from coal will be indexed to coal prices.

Maharashtra State Electricity Distribution Company (MSEDCL), in March, floated a unique tender for sourcing 5,000 MW of electricity generated from sunlight and 1,600 MW of power generated from coal. That tender was floated just ahead of the model code of conduct for the Lok Sabha elections kicking in, and it was awarded to Adani before the announcement of the assembly elections in the state. The tender combined solar power with thermal electricity to meet peak energy demand and that during non-solar hours (like night hours or monsoon/winter months).

It gave equal energy weightage to electricity generated from renewable energy and that from coal. Bidders were asked to quote a unified tariff for the supply of 6,600 MW of electricity (5,000 MW from solar and 1,600 MW from thermal). Adani Power quoted Rs 4.08 per unit to win the contract, according to sources said.

Its bid compares to Rs 4.36 per unit quoted by the second lowest bidder, JSW Energy, and Rs 4.70 per unit average procurement cost of Maharashtra last year.

## Nayara Energy Sees 14% Rise in Domestic Fuel Sales, Exports Drop

**New Delhi** Nayara Energy, India's largest private fuel retailer, posted a 14.3 per cent rise in fuel sales for the second quarter of the 2024 calendar year, while exports dropped as the firm met rising local demand for fuel. In the April-June quarter, Nayara sold 75 per cent of all diesel it produced at its Vadinar oil refinery in Gujarat in the local Indian market and 60 per cent of its petrol production locally, Nayara said.

Over the past few years, Nayara Energy has steadily built its domestic business while expanding its fuel retailing network strategically to underserved markets that uphold the potential to fuel India's growth. Retail diesel sales rose 14 per cent to 2.08 million tonnes in April-June from 1.82 million tonnes a year back, while institutional business' year-on-year growth was 23 per cent, Nayara said. Similarly, retail petrol sales grew 14.7 per cent to 0.916 million tonnes in the second quarter compared to 0.809 million tonnes a year back. Nayara Energy owns the largest private retail network with over 6,500 petrol pumps across India. Its retail network is fully automated (99 per cent of petrol pumps) for enhanced controls and standards, enhancing mobility and connectivity within our nation. The firm said over the last few years, it has strategically expanded its network, with almost 35 per cent of its fuel stations situated in Tier 3, 4 and 5 towns, enabling mobility and spurring commerce.

"Nayara Energy's positive sales momentum is the reflection of its growing presence through the strategic expansion of our fuel retail network," it said.

After fulfilling domestic demand in India, surplus products were exported by Nayara Energy - about 1.36 million tonnes (28 per cent of total sales), including jet fuel, diesel and others, during April-June 2024.

## Mcap of Nine of Top-10 Most Valued Firms Jump Rs 2 Lakh Crore; Bharti Airtel Sparkles

**New Delhi.** Nine of the top-10 most valued firms together added Rs 2,01,552.69 crore in market valuation last week, with Bharti Airtel stealing the show, amid bullish investors' sentiment in equities. Last week, the BSE benchmark jumped 1,707.01 points or 2.10 per cent. The 30-share BSE Sensex hit its lifetime high of 83,116.19 on Thursday. Bharti Airtel's valuation jumped Rs 54,282.62 crore to Rs 9,30,490.20 crore, becoming the biggest gainer among the top-10 firms. The market capitalisation (mcap) of ICICI Bank surged Rs 29,662.44 crore to Rs 8,80,867.09 crore. Tata Consultancy Services (TCS) added Rs 23,427.12



crore taking its valuation to Rs 16,36,189.63 crore. The mcap of Hindustan Unilever soared Rs 22,438.6 crore to Rs 6,89,358.33 crore and that of HDFC Bank zoomed Rs 22,093.99 crore to Rs 12,70,035.77 crore. The market valuation of Infosys climbed Rs 17,480.49 crore to Rs 8,07,299.55 crore and that of ITC rallied Rs 15,194.17 crore to Rs 6,42,531.82 crore. The valuation of Reliance Industries jumped Rs 9,878.19 crore to Rs 19,92,160.61 crore and that of State Bank of India went up by Rs 7,095.07 crore to Rs 7,05,535.20 crore. However, the mcap of Life Insurance Corporation of India (LIC) declined by Rs 3,004.38 crore to Rs 6,54,004.76 crore. Reliance Industries was leading the chart of the top-10 most valued firms followed by TCS, HDFC Bank, Bharti Airtel, ICICI Bank, Infosys, State Bank of India, Hindustan Unilever, LIC and ITC.

# Amazon, Flipkart and major smartphone brands face antitrust heat: Report

**NEW DELHI.** The convenience of online shopping has changed the way we buy products, but it has also raised questions about fair competition. Amazon and Flipkart, along with major smartphone brands like Samsung and Xiaomi, are now facing antitrust scrutiny, reported news agency Reuters. The Competition Commission of India (CCI) has found that these companies have been involved in exclusive product launches on their platforms, which may have restricted competition and harmed smaller businesses. Samsung, Xiaomi, and other smartphone makers have allegedly colluded with Amazon and Walmart-owned Flipkart to launch products exclusively on their platforms, a violation of India's competition laws. A report by the CCI, as seen by Reuters, highlights that this practice not only hurt smaller players but also gave an unfair advantage to certain sellers and products.

The CCI's investigation into Amazon resulted in a 1,027-page report, which claims that the Indian units of Samsung,

Xiaomi, Motorola, Realme, and OnePlus were involved in exclusive phone launches in coordination with Amazon and its affiliates, breaking competition laws. Similarly, a 1,696-page report on Flipkart states that brands like Samsung, Xiaomi, Motorola, Vivo, Lenovo, and Realme engaged in similar practices on Flipkart's platform. The involvement of major smartphone brands in this case could lead to increased legal and compliance issues for them. G.V. Siva Prasad, the additional director general of the CCI, noted that exclusivity in business goes against free and fair competition and is not in the best interest of consumers.

Although these findings are not yet public, Reuters was the first to report the accusations of anticompetitive behaviour by these smartphone companies, which are detailed in the CCI's reports dated August 9. While Xiaomi declined to comment, other smartphone makers, Amazon, Flipkart, and the CCI have not



responded to requests for comments so far. The reports from the CCI also mentioned that Amazon and Flipkart attempted to downplay the allegations, but the investigation found that exclusive launches were quite common on both platforms. This practice has been a concern for years, with small retailers arguing that their businesses have been harmed as customers preferred shopping for exclusive models online.

Counterpoint Research data shows that Samsung and Xiaomi together hold nearly 36% of the Indian smartphone market, with Vivo holding 19%. India's e-

commerce sector is growing rapidly, with the market expected to reach over \$160 billion by 2028, up from Rs 57-60 billion in 2023, according to consultancy firm Bain. The findings of the investigation could be a significant blow to Amazon and Flipkart, especially in India, a key market where they have already faced criticism from small retailers. The CCI report also noted that these e-commerce giants used foreign investments to offer discounted services like warehousing and marketing to select sellers, further tilting the playing field. Some smartphone makers, including Xiaomi, Samsung, OnePlus, Realme, and Motorola, have been instructed to submit their financial statements for the past three fiscal years to the CCI, according to a document from August 28. This move is part of the ongoing investigation, which started in 2020 following a complaint by an affiliate of the Confederation of All India Traders, a retailer association representing 80 million members.

## Bajaj Housing Finance IPO Listing on Monday: GMP Indicates 120% Listing Gains today

**New Delhi** The listing of Bajaj Housing Finance's shares is set to take place on Monday, September 16. The IPO listing on Monday is expected to provide huge listing gains up to 120 per cent to investors in just a day as indicated by the latest grey market premium (GMP). According to market observers, Bajaj Housing Finance's unlisted shares are currently trading at Rs 154 in the grey market, which is a 120 per cent premium.

The share allotment of the Bajaj Housing Finance IPO has already been finalised. Investors can check the allotment status on the websites of BSE and NSE as well as on the portal of registrar Kfint Technologies. The Bajaj Housing Finance IPO, which was opened for public subscription between September 9 and September 11, received a whopping 67.43 times subscription garnering bids for 46,25,57,71,082 shares as against the 68,60,00,009 shares on offer. The price band of the Rs 6,560-crore much-

awaited initial public offering was fixed at Rs 66 to Rs 70 per share. Bajaj Housing Finance IPO: GMP Today

According to market observers, unlisted shares of Bajaj Housing Finance Ltd are trading Rs 84 higher in the grey market than its issue price. The Rs 84 grey market premium or GMP means the



grey market is expecting a 120 per cent listing gain from the public issue. The GMP is based on market sentiments and keeps changing. Bajaj Housing Finance IPO: More Details

The proposed IPO comprises a fresh issue of equity shares of up to Rs 3,560 crore and an offer-for-sale (OFS) of equity shares to the tune of Rs 3,000 crore by parent Bajaj Finance.

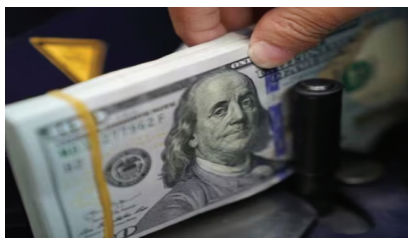
The share sale is being conducted to comply with the Reserve Bank of India's (RBI) regulations, which require upper layer non-banking finance companies to be listed on stock exchanges by September 2025.

The company collected Rs 1,758 crore from anchor investors ahead of its IPO. Among the anchor investors are Government of Singapore, Abu Dhabi Investment Authority, Fidelity, Morgan Stanley, Nomura, Goldman Sachs, JP Morgan India Investment Trust Plc, SBI Life Insurance Company, ICICI Prudential Life Insurance Company, HDFC Mutual Fund (MF), Kotak Mahindra MF, SBI MF, UTI MF and Nippon India MF. Proceeds from the fresh issue will be used to augment the company's capital base to meet future capital requirements.

## FPIs Inject Rs 27,856 Crore in Equities in September 2024 So Far on US Rate Cut Expectations

**New Delhi** Foreign investors have infused Rs 27,856 crore in domestic equities in the first fortnight this month, owing to the resilience of the Indian market and growing optimism around the potential interest rate cut in the US. Foreign Portfolio Investors (FPIs) have been consistently buying equities since June. Before that, they pulled out Rs 34,252 crore in April-May.

With the focus shifting to the US Federal Reserve's decision on interest rates in its upcoming FOMC meeting next week, its outcome will likely play a pivotal role in shaping the trajectory of future FPI investments in Indian equities, Himanshu Srivastava, Associate Director- Manager Research, Morningstar Investment Research India, said. According to the data with the depositories, FPIs put in a net investment of Rs 27,856 crore into equities this month (till September 13). With this, FPIs' investment in equities reached Rs 70,737 crore so far this year. VK Vijayakumar, Chief Investment



Strategist, Geojit Financial Services, has attributed two major reasons for FPIs' strong buying. First, there is a consensus now that the US Fed will start cutting rates from this month onwards, pushing the US yields down. Recent data showing US inflation cooling for the fifth consecutive month, hitting a 43-month low of 2.5 per cent year-on-year in August, has strengthened expectations that the US Federal Reserve may proceed with a rate cut at its upcoming policy meeting. This will facilitate fund flows from the US to emerging markets. Secondly, the Indian market is

extremely resilient with strong momentum and missing out on the Indian market would be a bad strategy for FPIs, he added. High valuations in India, however, continue to be a "The robust inflows are due to underlying factors such as global confidence in India's economic outlook and the government's commitment to drive a long-term growth story. FPIs are encashing at the right time to tab the Indian market amidst positive market sentiments, political stability, contributing to the rally," Manoj Purohit, Partner and leader, FS Tax, Tax and Regulatory Services, BDO India, said. Also, a series of regulatory reforms aimed at streamlining the process for FPI investments has further uplifted investor sentiment. Apart from equities, FPIs invested Rs 7,525 crore in debt through the voluntary retention route in the first two weeks of September and Rs 14,805 crore in government debt securities designated under the Fully

## US Fed Might Cut 50 bps Stock Market to Focus on US Interest Rate Decision This Week

**New Delhi** Even as the markets hit all-time high last week on Thursday, the Indian equities market the coming week will focus on the US Fed's interest rate decision on Wednesday. Apart from this, a host of macroeconomic data from the global front and trading activity of foreign investors will also be focus areas, according to analysts.

The Indian equity market had an exceptional last week, with both the Nifty and Sensex hitting their all-time high levels on Thursday. The BSE benchmark breached the 83,000 level for the first time on Thursday. "One of the most anticipated events of the year is set to unfold this week with the US Federal Open Market Committee (FOMC) meeting scheduled for September 18th. It is almost certain that this will mark the beginning of an interest rate cut cycle in the US. The general consensus is for a 25 basis points (bps) rate cut, though some market participants are speculating a more aggressive 50 bps cut. Such a move would be a significant positive trigger for global markets, particularly for emerging markets like India, as it would likely result in a weaker dollar and lower US yields, spurring foreign inflows into Indian equities," said Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart Ltd. Additionally, Japan's inflation data is due on Friday, followed by the Bank of Japan's (BoJ) monetary policy announcement, he said. "In addition to this, other crucial factors that will influence market sentiment include FII (Foreign Institutional Investors) flows, the geopolitical landscape, and crude oil prices," Meena added.

"The outlook for the market will be guided by the major domestic and global economic data such as India's WPI inflation, US industrial production, US Fed interest rate decision, US FOMC economic projections and US initial jobless claims," Palka Arora Chopra, Director, Master Capital Services Ltd, said.

Last week, the BSE benchmark jumped 1,707.01 points or 2.10 per cent and the Nifty climbed 504.35 points or 2.02 per cent. "Looking ahead, this week will be critical with the US Fed meeting scheduled, and its outcome expected on September 18. Domestically, participants will be closely monitoring WPI inflation data and foreign fund flows," said Ajit Mishra - SVP, Research, Religare Broking Ltd. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "A significant trend in the market for the week ended 13th September is that FIIs were buyers of equity in the cash market on all days of the week." There are two reasons why FIIs have changed their strategy from selling to buying, he noted.

"One, there is a consensus now that the Fed will start cutting rates from this month onwards pushing the US yields down.

# Rent vs buy: What's the smarter financial move for you

**New Delhi.** The rent-versus-buy debate is an age-old dilemma. It's like choosing between chai or coffee—it all boils down to what suits your lifestyle and wallet better. For young professionals living in big cities like Bengaluru, renting seems like the more flexible, carefree option. However, buying a home taps into deeper cultural values, giving the sense of settling down and securing the future. Renting offers the freedom to move, explore career opportunities, and invest in other ventures. Buying a home, on the other hand, offers long-term security, a sense of ownership, and equity building. The key question is, what makes more financial sense for you?

**Weighing the costs of renting**  
Renting provides flexibility and lower upfront costs, which is ideal in today's fast-moving job market. For example, a young professional in Bengaluru might rent a 2BHK in Whitefield for Rs 25,000 per month instead of buying a house worth Rs 80 lakh. This choice allows flexibility in career mobility and also frees up capital for other investments.

The biggest advantage of renting is that it requires much less financial commitment. Monthly rent payments are usually lower than the EMIs for a home loan, making renting a more affordable option, especially in metro cities where property prices are high. For example, in

cities like Mumbai, where the house price-to-rent ratio is very high, renting is often the smarter choice. However, renting has its downsides. Rent payments increase by 10% every year, and at the end of the rental period, you don't own the property. Over the long term, renting can feel like spending without building equity, especially in areas where property appreciation is strong.

### The benefits of buying a home

Buying a home provides long-term financial security and ownership of an asset that typically appreciates over time. A family in Pune, for instance, might buy a Rs 60 lakh apartment and watch its value grow, creating equity over the years. While homeownership comes with additional costs like property tax, maintenance, and repair, the appreciation in value can make it a good long-term investment. For instance, property prices in prime areas of Gurgaon have risen over 150% in the past ten years. An apartment bought for Rs 70 lakh in 2013 could now be worth Rs 1.75 crore, offering substantial appreciation.

Owning a property also provides an additional income stream through rental yields, though rental returns in India are typically low at 2-3%. Still, this can help offset some costs. On the flip side, homeownership involves high upfront costs, including a down payment, and



monthly EMIs that are often higher than rent payments. For instance, buying a Rs 2.5 crore property with a Rs 50 lakh down payment would result in an EMI of around Rs 2.5 lakh per month at a 9% interest rate. Over 10 years, this amounts to about Rs 3 crore in payments, but the property's value could appreciate to Rs 4.6 crore, making it a valuable asset for the future.

### Understanding price-to-rent ratio

To make an informed decision, it's crucial to compare the price-to-rent ratio in your chosen area. A ratio above 20 generally favours renting, while a ratio below 15 makes buying a more financially sound option. In high-cost cities like Mumbai, renting often makes more sense, while in tier-2 cities like Indore, buying may be a better choice due to lower property prices

and a reasonable price-to-rent ratio.

For people who anticipate staying in one place for at least 5-7 years, buying can be beneficial. In tech hubs like HITEC City in Hyderabad, where professionals may need to move for work, renting is often the more practical choice.

### What do the experts say?

"The rent-versus-buy decision is not just about the monthly expenses. It's about understanding the wider financial implications," said LC Mittal, Director of Motia Group. He said that renting frees up capital that can be invested elsewhere, potentially yielding higher returns. For example, a professional in Delhi might rent a 2BHK house in Dwarka for Rs 20,000 per month and invest the savings in a diversified portfolio. Over time, investments in stocks or mutual funds could provide significant returns.

Manoj Goyal, Director at Fortesia Realty Pvt Ltd, pointed out that while renting allows more financial flexibility, buying offers the benefit of equity building and the potential for property appreciation.

"It's all about balancing your financial goals with your personal situation," he said. He added that government schemes like the PMAY, which offers subsidies for first-time homebuyers, make the buy decision more attractive for some people.



# Chandigarh grenade blast: Punjab Police arrests second accused from Delhi

**In a major breakthrough, Punjab Police, with the assistance of central agencies, arrested Vishal Masih, the second accused in the Chandigarh grenade blast case.**

**NEW DELHI.** In a major breakthrough, Punjab Police, with the assistance of central agencies, arrested Vishal Masih, the second accused in the Chandigarh grenade blast case. Masih was arrested from Delhi following a swift investigation that started after the incident on September 11. According to a post by DGP Punjab Police on X, two suspects had carried out a grenade attack in Sector 10, Chandigarh, causing widespread concern. Punjab Police managed to arrest the first suspect, Rohan Masih, on September 13, just two days after the blast. The second accused, Vishal Masih, son of Sabi Masih and a resident of Raimal village in Batala, District Gurdaspur, was arrested within 72 hours of the incident. Investigations are ongoing as officials work to unravel the full details of the plot. The main



perpetrator of the suspected Chandigarh grenade blast case, Rohan Masih, was arrested a day after the incident in which the grenade was lobbed at the house of a retired police officer in the city's upscale Sector 10

area. The grenade attack took place at around 5.30 pm on September 11 and due to the impact of the blast, windows and flower pots were damaged.

Sources told India Today TV that three people arrived at the scene in an autorickshaw shortly before the explosion. The blast was loud enough to be heard even from far away.

According to the sources, the attackers had conducted surveillance of the house just two days before the grenade attack. A CCTV camera captured the moment when the explosion occurred. In the footage, an autorickshaw is seen speeding away, narrowly dodging a car from the opposite direction before making a swift turn. According to the sources, Khalistani terrorist Rinda, currently based in Pakistan, is suspected of involvement in the grenade attack case.

## SpiceJet Cancels Flight Just 5 Minutes Before Boarding, Sparks Outrage And Protests At Delhi Airport

**NEW DELHI.** Passengers on a SpiceJet flight had a heated exchange with airline officials at Delhi Airport on Saturday after the carrier cancelled the flight just five minutes before boarding. The cancelled flight, SpiceJet No. SG 495, was scheduled to travel from Delhi to Darbhanga, Bihar.

Distressed passengers were seen shouting slogans like "SpiceJet murdabad, murdabad" at the boarding gate in Terminal 3 of Delhi Airport, visibly protesting the last-minute cancellation. Several passengers have expressed their frustration with SpiceJet's frequent flight cancellations and delays on the social media platform X. One passenger expressed frustration over the cancellation of his flight from Delhi to Goa, stating, "Spicejet SG211 flight from Delhi to Goa is being cancelled after repeatedly delaying it for multiple times. We have been waiting at the airport since 7:00AM in the morning and have been travelling since past evening from Shimla," he wrote.

Another passenger shared their frustration about a different SpiceJet flight, from Ahmedabad to Varanasi.

## Kashmiri pandits hold protest in Delhi, demand SIT probe into atrocities, homeland

**NEW DELHI:** Members of the Kashmiri Pandit community on Saturday staged a sit-in at Jantar Mantar to observe the 'Martyrs Day' and reiterated their demand for a homeland for the exiled community. Every year, the community across India and around the world observes September 14 as 'Martyrs Day' to remember the violent events that led to the exodus of the Pandits from the Kashmir Valley in the late 1980s and early 1990s.

Prime Minister Modi who on Saturday addressed a public rally in Jammu and Kashmir's Doda, also remembered Tika Lal Taploo, a BJP leader who was gunned down by terrorists on this day in 1989. The Pandits raised slogans 'We want justice' and demanded the formation of a SIT to investigate the atrocities committed against their community from 1990 onwards. Kashmiri Samiti president Sameer Chrungoo questioned the Central government's actions over the past 11 years to alleviate the suffering caused by "forced migration."

The gathering unanimously passed several resolutions, including the one on the genocide bill in the coming Parliament session. The protesters highlighted the need for a comprehensive return and rehabilitation policy that encompasses the entire Kashmiri Pandit community and not just the younger generation seeking employment.

## Encounter breaks out between security forces, terrorists in J&K's Poonch

**The encounter began when the security forces initiated a cordon and search operation based on information about the possibility of terrorists being present in the area.**

**NEW DELHI.** An encounter erupted between terrorists and security forces in Jammu and Kashmir's Poonch district on Sunday, just days ahead of the upcoming Assembly elections. The gunfight began when the security forces initiated a cordon and search operation based on information about the possibility of terrorists being present in the area. Acting on a tip-off, police and Army personnel launched a joint search operation



in the Pathanateer area on Saturday evening, according to a security official. Two to three terrorists are hiding in the forest area of Mendhar.

During the operation, the search team came under fire from suspected terrorists hiding in the area, leading to a gunfight. Intermittent exchanges of gunfire between the two sides continue, the official said, noting that reinforcements have been dispatched to the location.

On Saturday, two Indian Army personnel, including a Junior Commissioned Officer (JCO), were killed in an encounter in Jammu and Kashmir's Kishtwar district. In a separate operation in Baramulla, security forces killed three terrorists. The Union Territory has been witnessing sporadic incidents of violence ahead of the upcoming Assembly polls, the first elections in the region in a decade, adding to concerns over regional stability.

## PM virtually flags off 6 Vande Bharat trains for Jharkhand, Odisha, Bihar, UP

**NEW DELHI.** Prime Minister Narendra Modi on Sunday virtually flagged off six Vande Bharat trains for Jharkhand, Odisha, Bihar and UP at Ranchi. Earlier, the PM was scheduled to flag off the trains from Tatanagar but his chopper could not take off due to poor visibility and inclement weather conditions. On the occasion, Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan and Jharkhand Governor Santosh Kumar Gangwar were present at Tatanagar station. The new trains will run on the Tatanagar-Patna, Brahmapur-Tatanagar, Rourkela-Howrah, Deogarh-Varanasi, Bhagalpur-Howrah and Gaya-Howrah routes.



The trains will offer faster connectivity, the Prime Minister's Office said in a statement. The introduction of these Vande Bharat Express trains will benefit regular travellers, professionals, business and student communities. These trains will boost religious tourism in the region by providing a faster mode of commute to pilgrimage sites like Baidyanath Dham in Deogarh (Jharkhand), Kashi Vishwanath temple in Varanasi (Uttar Pradesh), Kalighat, Belur Math in Kolkata (West Bengal) etc.

Coal and mines industries in Dhanbad, jute industries in Kolkata, iron & steel allied sector in Durgapur will also get a major boost, the statement added.

## High Court orders DU to admit medical student over clerical error in certificate

**Consequently, she approached the HC challenging DU's decision denying her a seat.**

**NEW DELHI:** The Delhi High Court has recently directed Delhi University (DU) to admit a medical aspirant, whose seat under the Children/Widows of Armed Forces Personnel (CW) category was wrongfully denied due to a clerical error in processing her Education Concession Certificate (ECC). The bench comprising acting Chief Justice Manmohan and Justice Tushar Rao Gedela has ordered the DU to immediately rectify the situation by creating either a 'supernumerary seat' for the student—Yashika Malik—or increase the number of seats under the CW quota, ensuring her rightful place in the medical course. Malik, who secured 604 out of 720 in the NEET 2024 examination, was entitled to a seat under the CW category. However, despite meeting all the requisite

qualifications for admission, Malik's name was erroneously removed from the final admission list following the



cancellation of her certificate by the Kendriya Sainik Board (KSB) in August 2024. The cancellation was

later acknowledged to be a mistake, as Assam Rifles personnel, under whose service Malik's father was awarded the medal, fall under the purview of the Ministry of Home Affairs (MHA), not KSB. Consequently, she approached the HC challenging DU's decision denying her a seat.

The single-judge's order was challenged by Malik by way of letter patent appeal (LPA), contending that the Single Judge had incorrectly instructed the appellant to be considered in the first round of counselling only subject to the availability of seats, depriving her of her right to be considered for reservation in the first round.

The division bench modified the impugned judgment and directed DU to "take appropriate steps to either increase the number of seats by one, in the CW category or create a seat.

## "Women Judges Need To Be Tougher Because...": Justice Hima Kohli

**New Delhi:** Justice Hima Kohli (retired), who has always been vocal about women's rights and is considered a tough judge, recently retired from the Supreme Court. In an exclusive conversation with NDTV, Justice Kohli spoke on a range of issues from her long experience in the legal profession. Women judges need to be tougher because they face more difficulties in the judiciary. It was very difficult to become a woman judge back in the 1980s. Women also face many difficulties in advocacy," Justice Kohli told NDTV. She was the ninth woman judge in the history of the Supreme Court, and the first woman judge in the Delhi High Court.

Justice Kohli has been known as a tough judge, and has been part of many historic decisions, with a focus on women's rights. Explaining some of the difficulties that women face, Justice Kohli said first and foremost they have to take care of family and children. "Why should only women judges run family courts, child welfare, etc? Women judges should get jurisdiction in other areas too... Gender bias as far as bench composition is concerned is



absolutely abhorrent. They face problems in working on criminal cases... First-generation lawyers face the biggest challenge as they do not have any resources, office or anyone to handle files," she said. "A woman choosing to be a lawyer was difficult in itself. While judicial officers had it easier to make it to the bench, going to the bench from the bar was more difficult for a woman lawyer," Justice Kohli told NDTV. "How well

you handle any situation could determine if you reach there. As a judge, I never had a problem with my colleagues. Senior peers were quite supportive," she said.

She asked the public to keep their trust in the Supreme Court as judges listen to their conscience. Though there have been controversial cases, it is only natural for judges to make mistakes sometimes as they are also human, Justice Kohli said. She praised the use of virtual hearings as it has enabled justice to reach the homes of the common people directly. On professionalism, Justice Kohli said it is important for judges to see everyone equally. "Whatever kind of relationship you have with someone outside, you should not cross the line. Mutual relations should not come in the way of work. As judges, we have to look only at the merit of the case and not the face," Justice Kohli said. She pointed at the need for judges to be aware of what's happening in today's world and not to stay disconnected. "Judges should know the problems of the common people.

## Kolkata Doctor Rape-Murder Case: Why CBI Has Arrested Sandip Ghosh And Is Seeking His Custody

**The agency has also arrested Tala Police Station SHO Abhijit Mandal. It submitted a petition to the CBI court on Saturday evening, seeking the custody of Sandip Ghosh, accusing him of being involved in causing 'considerable delay in registration of FIR in conspiracy with others' and thereby 'leading to deliberate destruction of vital evidence'**

**NEW DELHI.** The Central Bureau of Investigation (CBI) on Saturday arrested RG Kar Medical College and Hospital's ex-principal Sandip Ghosh and a police officer for alleged delay in the registration of the FIR and missing evidence in the postgraduate trainee

doctor's brutal rape and murder in Kolkata. The arrested police officer is Tala Police Station SHO Abhijit Mandal.

The agency submitted a petition to the CBI court on Saturday evening, seeking the custody of Sandip Ghosh, accusing him of being involved in causing "considerable delay in registration of FIR in conspiracy with others" and thereby "leading to deliberate destruction of vital evidence". The central agency has also mentioned in the petition that Ghosh "committed the offence with malafide intention of safeguarding the prime accused and other co-accused persons, if any".

**Turning Point?** This action by the CBI may work as a potential turning point in the ongoing investigation. In a prayer before the CJM court (Sealdah), submitted on September 14, the agency has sought to take Ghosh in custody in connection with the main

case — the rape and murder of a junior resident doctor at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital. News18 has a copy of the prayer, submitted by the assistant superintendent of the CBI, who



is also the investigating officer (IO) in the case. This marks a significant moment in the investigation, as it's the first time since the CBI took over the case that the agency has sought custody of a second person. Ghosh has been arrested by the CBI in a separate case of financial

corruption and he is currently in judicial custody.

**What CBI Plea Says** The investigating officer of the CBI's special crime unit (I), who is also an assistant superintendent of police (ASP) has stated in the prayer that Ghosh, along with others, "conspired" and delayed the FIR which led to the destruction of "vital evidence".

"That in compliance of the order dated 13.08.2024 passed by the Hon'ble High Court, Calcutta in WPA (P) No. 331/2024, 332/2024, 333/2024, 334/2024, 335 of 2024 and 339 of 2024, the investigation of FIR No 52/2024 dated 09.08.2024 of Tala PS has been taken over by CBI and re-registered as case RC0482024S0010 dated 13.08.2024 u/s 64/103(1) of BNS against unknown accused persons. The investigation of this case is in progress," the plea said.



## News box

## Israel military says missile fired from Yemen, sirens sounded across cities

**Jerusalem.** A surface-to-surface missile fired at central Israel from Yemen hit an unpopulated area, causing no injuries, Israel's military said on Sunday. Moments earlier, air raid sirens had sounded in Tel Aviv and across central Israel, sending residents running for shelter.

"Following the sirens that sounded a short while ago in central Israel, a surface-to-surface missile was identified crossing into central Israel from the east and fell in an open area. No injuries were reported", the military said. Loud booms were also heard in the region, which the military said came from missile interceptors that had been launched. It added that its protective guidelines to Israel's residents were unchanged. In July, Iran-aligned Houthis in Yemen fired a long-range drone at Tel Aviv, killing one man and wounding four others. The attack prompted Israel to carry out a major air strike on Houthi military targets near Yemen's Hodeidah port, killing at least three people and wounding 87.

## Mexico's Sinaloa state witnesses 19 homicides in 5 days as violence grips state



**Mexico City** Mexican authorities logged seven homicides in the western state of Sinaloa on Friday, the latest violence to plague an area where increasingly frequent shootouts are fueling fears of the possible start of an intra-cartel war. The deaths bring the number of killings within the week to 19, after 12 killings were registered between Monday and Thursday. The Sinaloa prosecutor's office in a statement late on Friday said the latest victims were found in four separate locations. Two people were killed in the capital of Culiacan, and five in the municipality of Concordia, both of which the statement described as places "where violent events have occurred between criminal groups." Sinaloa, on the Pacific Coast, is the home base of the powerful Sinaloa Cartel, a drug gang once led by kingpin Joaquin "El Chapo" Guzman, who is now serving a life sentence in the US.

The July arrest of another veteran gang leader, Ismael "El Mayo" Zambada, has stoked fears of infighting and turf battles. The prosecutor's office also said on Friday it received eight reports in Culiacan of men who had been kidnapped. In Culiacan, businesses have closed, public transportation has been cut back and Independence Day festivities have been canceled due to the worsening violence.

## Tropical Storm Ileana makes landfall on Mexico's Sinaloa coast after pounding Los Cabos

**MEXICO CITY.** Tropical Storm Ileana made landfall on the coast of the Mexican state of Sinaloa Saturday a day after it pounded the resort-studded Los Cabos.

The tropical storm formed Thursday off Mexico's Pacific coast and was packing winds of 40 mph (65 kph) as it moved ashore Saturday, the Miami-based National Hurricane Center said. It made landfall near the coastal city of Topolobampo and was located late Saturday about 15 miles (25 kilometers) south-southeast of Los Mochis.

Forecasters say Ileana will churn over the coastal region of northern Sinaloa during the next several hours and then move over the Gulf of California roughly parallel to the coast on Sunday, weakening into a tropical depression. On Friday, a warning had been in effect for portions of the Baja California Peninsula, including Cabo San Lucas and San Jose del Cabo. Juan Manuel Arce Ortega, from Los Cabos Civil Protection, said the municipalities of La Paz and Los Cabos had suspended classes in schools due to the storm.

Authorities prepared 20 temporary shelters in San Jose del Cabo and Cabo San Lucas, according to Los Cabos Civil Protection.

At the Hacienda Beach Club and Residences in Cabo San Lucas, valet worker Alan Galvan said the rain arrived late Thursday night and has been constant. "The rain isn't very strong right now, but the waves are choppy," he said.

"The guests are very calm and already came down for coffee," Galvan said. "There's some flights canceled but everything is ok at the moment." The rain remained consistent through Los Cabos Friday afternoon, with several roads flooded and some resorts stacking up sandbags on their perimeters. Some people were still walking around boat docks with their umbrellas. "The priority has to be safety, starting with the workers. We always have to check on our colleagues who live in risk areas," said Lyzzette Liceaga, a tour operator at Los Cabos.

## Post-Hasina Bangladesh gravitates towards Urdu and Jinnah

**World** In a nation where Bangla was a central pillar of its independence movement against Pakistan, it came out as an unmissable irony when the 76th anniversary of the death of Muhammad Ali Jinnah, the founder of Pakistan, was celebrated with Urdu poetry and songs in Bangladesh's Dhaka. This was the first time in Bangladesh's history that Jinnah's death anniversary was commemorated in Dhaka. Speakers also said that without Jinnah, Bangladesh wouldn't exist. The unusual tribute came on Wednesday, a month after the military-led interim government took over following former PM Sheikh Hasina fled after massive student protests, hijacked by the Pakistan-backed BNP and Jamaat.

While the event marked a rejoice for some, Urdu, Jinnah and Pakistan are still engrained in the bloody memory of the minds of a section of its people. Some experts saw this as an attempt to rewrite history.

## JINNAH COMMEMORATED AT DHAKA PRESS CLUB

The 76th death anniversary of Pakistan founder Muhammad Ali Jinnah was marked at the National Press Club in Dhaka on Wednesday, with a gathering of speakers, Urdu poetry recitations, and musical performances, reported Bangladeshi news

outlet Dhaka Tribune.

The event, organised by the Nawab Salimullah Academy at the Tofazzal Hossain Manik Miah Hall, was where several speakers emphasised Jinnah's crucial role in the creation of Pakistan, stating that without him, "Bangladesh too would not exist." While the Pakistani High Commissioner to Bangladesh was expected to attend as the chief guest, he was notably absent. Instead, Deputy High Commissioner Kamran Dhangal represented Pakistan at the event in Bangladesh, where millions were killed, thousands were raped in a Pakistan-devised genocide, until its independence in 1971.

As early as 1952, East Pakistan saw protests advocating for Bangla to be recognised as a co-official language, used in government, education, media, currency, stamps, and to retain its script. The protests saw a heavy-handed crackdown by the West-dominated, Urdu-imposing Pakistani regime.

Dozens were killed in police firing in the pro-Bangla language movement, and five of them have been recognised as martyrs by the Bangladesh government.

On Wednesday, Professor Mostafizur Rahman presented a keynote paper that traced the milestones of Jinnah's life. Jafarul Haq Jafar,



meanwhile, paid tribute by reciting an Urdu poem about Jinnah, and Pakistani students Muhammad Tahir and Kamran Abbas performed Urdu songs dedicated to him. These performances took on added significance in the context of Bangladesh, where the Bengali language once resisted Pakistan's attempts to impose Urdu as the national language. The president of the academy, Muhammad Abdul Jabbar, presided over the event, reported Bangladeshi news outlet Dhaka Tribune. In a controversial statement, Md Samsuddin said that without Pakistan, Bangladesh might have suffered the same fate as Kashmir, with India "holding weapons to our necks." He credited Jinnah's efforts for not only the

brotherhood with Pakistan."

## POST-HASINA JINNAH TRIBUTE, IS DHAKA REWRITING HISTORY?

The celebration of Jinnah's legacy in post-Hasina Bangladesh — a nation whose very language was central to its struggle for independence from Pakistan — presents a curious juxtaposition. Moreover, Pakistani misadventures in East Pakistan until 1971, turned out to be the darkest chapter of South Asian history.

Reacting to Jinnah's remembrance, Dhaka-based journalist Salah Uddin Shoab Choudhury said, "It was a slap on our war of independence, where 3 million Bengalis sacrificed their lives. I am speechless!"

## Financial troubles 'temporary', no plans to seek IMF bailout: Maldives

**Colombo** The Maldives says its financial troubles are "temporary" and the luxury tourist destination has no plans to seek an International Monetary Fund bailout after warnings of a possible sovereign default.

Foreign minister Moosa Zameer said the Indian Ocean archipelago, best known for its upscale resorts and celebrity visitors, was pressing ahead with tax hikes to meet its debt servicing obligations. "We have bilateral partners who are very sensitive to our needs and our situation,"

Zameer told reporters in Colombo on Friday night. "I seriously don't think it is a time where we will be right now engaging with the IMF... The issue that we have is very temporary because currently we are

having a dip in reserves." He said tax reforms, along with the rationalisation of state-owned enterprises, would improve liquidity.

Zameer was visiting Sri Lanka along with Finance Minister Mohamed Shafeeq to meet with local central bankers and other officials. China and India are the two largest bilateral lenders to the Maldives, a tiny nation of 1,192 tiny coral islands in the Indian Ocean scattered across the equator. President Mohamed Muizzu came to power a year ago on the back of a campaign to evict a small contingent of Indian troops deployed in the Maldives and pursue closer ties with China.

Rough patches After the removal of the

troops, the two nations have cleared fences and had "cleared misunderstandings," Zameer said.

"At the start of our government, we did have some rough patches, you know," he added.

"We have fantastic bilateral relations with both China and India... Both countries continue to support us." China has pledged more funding since last year's victory by Muizzu, who thanked the country for its "selfless assistance" for development funds on a state visit to Beijing shortly after taking power. Official data showed the Maldives' foreign debt at \$3.37 billion in the first quarter of this year, equating to around 45 percent of gross domestic product.

## Venezuela arrests US, Spanish, Czech nationals over 'destabilisation' plot

**UPDATED.** Three Americans, two Spaniards and a Czech citizen were detained in Venezuela on suspicion of plotting to destabilise the country, the government said Saturday, as the United States denied Caracas's allegations it was involved. The arrests come amid heightened tensions between Venezuela and both the United States and Spain over Venezuela's disputed July 28 presidential election, which the country's opposition accuses President Nicolas Maduro of stealing. Interior Minister Diosdado Cabello said that the five foreign nationals were being held on suspicion of planning an attack Maduro and his government. We know that the United

States government has links to this operation," Cabello asserted.

Cabello said two Spaniards were recently detained in Puerto Ayacucho in the southwest. He added that three Americans and a Czech national were also arrested and linked the alleged plot to intelligence agencies in the United States and Spain as well as to Venezuelan opposition leader Maria Corina Machado. Maduro has in the past heaped blame for the tide of adversity his country faces on the "imperialist" United States, which he accuses of conspiring with Venezuela's "fascist" right to overthrow him. A State Department spokesperson said Saturday that "any claims of US

involvement in a plot to overthrow Maduro are categorically false."

The State Department spokesperson additionally confirmed that a US military member was being held and noted "unconfirmed reports of two additional US citizens detained in Venezuela."

Cabello meanwhile said that those detained had "contacted French mercenaries, they contacted mercenaries from Eastern Europe and they are in an operation to try to attack our country." He added that "more than 400 rifles were seized" and accused the detainees of plotting "terrorist acts." Spain and the Czech Republic have yet to react to the sensational claims.

## Austrian court finds woman guilty of fatally infecting neighbour with Covid-19

**Former President Donald Trump owns about 57% of Trump Media, which saw its shares slump this week following his televised debate with Democratic rival Vice President Kamala Harris.**

**World** Republican presidential candidate Donald Trump said on Friday he will not sell his shares in the company that owns his Truth Social platform when limits on selling are lifted in the coming days, driving up the stock after a recent sell-off.

Shares of Trump Media & Technology Group DJT.O surged as much as 30% following his comments before closing with a 12% gain for the day. Trump owns about 57% of Trump Media, which saw its shares slump this week following his televised debate with Democratic rival Vice President Kamala Harris. Friday's leap in the stock follows weeks of steady declines ahead of key dates this month when Trump and other company insiders will be allowed to sell their shares. "No, I'm not selling," the former president said in answer to a question asked by Reuters. "I'm not leaving. I love it. I think it's great."

Trump Media saw its value balloon to nearly \$10 billion following its stock market listing in March. Trump Media's stock is popular amongst retail traders and is seen as a speculative bet on his chances of securing a second four-year term as president. However, since its listing, Trump Media shares have lost most of their value, with losses accelerating in recent weeks after President Joe Biden gave up his re-election bid and Trump lost a lead in opinion polls ahead of the November 5 presidential election. According to provisions related to Trump Media's listing, Trump and other insiders will be allowed to sell stock beginning later this month, potentially flooding the market with additional shares. If the stock price remains at or above \$12 for any 20 trading days commencing Aug. 22, then Trump will be free to sell shares beginning on September 20. Otherwise, he is eligible to sell



shares beginning on Sept. 26. The stock ended at \$17.97 on Friday following Trump's comments, making his stake worth about \$2 billion. Forbes values Trump's wealth at \$3.7 billion. Trump Media's revenue is equivalent to two Starbucks SBUX.O coffee shops, and strategists say its \$3.6 billion stock market value is detached from its day-to-day business. It lost \$869,900 in its most recent reported quarter ended June 30. "There are no fundamentals behind this company. It doesn't have a path to profitability. It's just driven by

commentary, and by hopes and dreams," said Dennis Dick, a trader at Triple D Trading. The upcoming lock-up expiry related to Trump's shares is "something a lot of people on the street have been watching for weeks, if not since its inception now," said Jay Woods, chief global strategist at Freedom Capital Markets, ahead of Trump's statement that he would not sell. A New York judge earlier this month delayed Trump's sentencing in his hush money criminal case to November 12, after the election, months after the U.S. Supreme Court's landmark decision on presidential immunity, easing at least the short-term pressure over legal fees. The Nasdaq stock exchange halted trading in Trump Media's shares for two five-minute periods following Trump's comments, a common occurrence during bouts of volatility.

## Typhoon Yagi kills 74 in Myanmar, search ops on for 89 missing people

**Bangkok** The death toll in Myanmar from flooding and landslides caused by Typhoon Yagi has reached at least 74, with 89 people missing, Myanmar's state television said Saturday.

Difficulties in compiling information have raised fears that the number of casualties may be higher. The new official death toll announced by the country's military government was more than double the 33 reported on Friday. Typhoon Yagi earlier hit Vietnam, northern Thailand and Laos, killing more than 260 people and causing major damage. The new totals were announced after state media reported that Senior Gen. Min Aung Hlaing, the head of the ruling military council, said that Myanmar was requesting relief aid from foreign countries. Nearly 240,000 people have been displaced, according to the reports. There were already 3.4 million displaced people in Myanmar at the beginning of

September, according to the UN refugee agency, mostly because of war and unrest in recent years. In Myanmar, low-lying areas in the central regions of Mandalay and Bago, as well as eastern Shan state and the country's capital, Naypyitaw, have been inundated by water since Wednesday. Min Aung Hlaing and other military officials inspected flooded areas and reviewed rescue, relief and rehabilitation efforts in Naypyitaw on Friday, the state-run Myanmar Ailin newspaper reported. Its report said that he instructed officials to contact foreign countries, as other countries affected by the storm did, to receive rescue and relief aid for the victims. "It is necessary to manage rescue, relief and rehabilitation measures as quickly as possible," he was quoted as saying.

The exact extent of the damage still wasn't clear, but there were fears that the death toll may rise sharply. Local news outlets



reported more than 100 people missing. Efforts to tally casualties and damage and provide relief are complicated. Myanmar is in a state of civil war that began in 2021, after the army seized power from the elected government of Aung San Suu Kyi. Independent analysts believe the military controls much less than half of the country's territory. Myanmar experiences extreme weather virtually every year during the

monsoon season. In 2008, Cyclone Nargis killed more than 138,000 people. In that case, the military government then in power delayed accepting international assistance, and when it finally relented, tightly controlled its distribution, with little or no oversight by aid donors. Saturday evening's state television news said that 24 bridges, 375 school buildings, one Buddhist monastery, five dams, four pagodas, 14 electrical transformers, 456 lampposts and more than 65,000 houses were damaged by floods in central and eastern parts of the country. Naypyitaw is one of the areas that was hit hardest by the floods. Myanmar's Eleven Media group reported on Friday that record rainfall had damaged several pagodas in Bagan, the country's ancient capital that is a Unesco World Heritage site. The rain, said to be the heaviest in 60 years, collapsed walls at several centuries-old old temples, it said.



## NEWS BOX

## Aakash Chopra recalls how MS Dhoni's audacious shot left him stunned in 2004

New Delhi. Former India cricketer turned commentator Aakash Chopra recently recalled his first meeting with legendary India captain MS Dhoni from 2004. Notably, Chopra was picked for an India A tour in Kenya and Zimbabwe where he came across Dhoni for the first time. Recalling, young Dhoni's batting style, Chopra revealed how his belligerent strokeplay left everyone astounded. The former India opener mentioned how Dhoni played an audacious reverse sweep against the Pakistan fast bowler Iftikhar Anjum who had already played international cricket. "So that was a very different Dhoni - carefree but not careless. Carefree because he was very confident and happy with where he was, and not careless because when he got an opportunity, in Kenya and not in Zimbabwe, he batted like a man possessed. Before him, I never saw a batter hit a reverse sweep against a bowler. There was a Pakistan bowler named Iftikhar Anjum, who used to bowl at 140+kmph and already played for his country... Dhoni hit him for a four at fine leg. The bowler changed his field, sent back the fine leg fielder and called in the one at third man, but Dhoni smashed the next ball for a six over the third man region. I was like, 'Who is this guy?'" Chopra told Raj Shamani on his YouTube show. Chopra also spoke about the good nature of the Ranchi-



born cricketer as he even bowled to his competitor Dinesh Karthik to help him practice.

"He never used to bat in the nets. He, in fact, used to bowl to Dinesh Karthik, his competitor. He wasn't getting the opportunity to play, but he wanted to keep himself involved. I told him, 'Why are you bowling to Karthik? Why aren't you batting? If he keeps batting and does all the scoring, when will you bat?' But he replied saying, 'No, I just want to bowl because I'm enjoying it.' He is just talented. In fact, he does not practice keeping that much, but his hands are faster than anyone in the world even now," he added. Dhoni's phenomenal performance in Kenya Triangular tournament (Dhoni had a phenomenal run in the Kenya Triangular tournament 2004 finishing as the highest run scorer with 362 runs from six innings at an average of 72.40 and a strike rate of 90.15.

## Ashwin always has a plan: Usman Khawaja lauds Indian spinner ahead of Test series

New Delhi. Australia opener Usman Khawaja said Indian spinner Ravichandran Ashwin is a very good bowler who consistently challenges their batting order with his strategic approach to the game. Khawaja highlighted the tactical brilliance that Ashwin brings to the field, acknowledging the off-spinner's ability to stay one step ahead.

"Ravi is a very good bowler. He is very strategic; he always has a plan. He tries to figure it out and stay ahead of the game, which I respect. I respect his cricketing brain. It's always cool to play against him, and I look forward to the challenge," Khawaja told Star Sports. As the first Test in Perth approaches on November 22, all eyes will be on Ashwin, who holds an impressive record against the Australians. In 22 Test matches and 42 innings against them, Ashwin has picked up a staggering 114 wickets at an economy rate of 2.70. His ability to perform both at home and in Australia has made him



one of the most formidable opponents in this contest. Ashwin has taken 39 wickets in 10 Tests in Australia at an economy of 2.93. This year's BGT series carries a sense of history and momentum for India. India has emerged victorious in the previous four series, including two historic wins on Australian soil in 2018-19 and 2020-21. India's dominance has tipped the overall series balance in their favor, with 10 BGT victories compared to Australia's five. Australia's last series win against India came back in 2014-15, and their last win on Indian soil dates back to 2004-05.

The upcoming series, stretching from November 22 to January 7, 2025, will feature five Tests played across iconic Australian venues. Following the first Test in Perth, the teams will head to Adelaide Oval for the second Test, scheduled from December 6 to 10, which will be a day-night affair under the lights. The third Test at Brisbane's Gabba will take place from December 14 to 18, followed by the customary Boxing Day Test at Melbourne Cricket Ground from December 26 to 30. The series finale will be staged at the Sydney Cricket Ground from January 3 to 7.

## Mohammed Shami backs India to complete hat-trick in Australia: We are favourites

**India tour of Australia: Pacer Mohammad Shami believes India have a good chance of winning the Test series for the third successive time against Australia Down Under this winter.**

New Delhi. Senior pacer Mohammed Shami has backed India to complete a hat-trick of Test series victories in Australia, positioning the Rohit Sharma-led team as favorites for the Border-Gavaskar Trophy. India, having won the last two away series in Australia (2018-19 and 2020-21), have dominated their rivals, with Australia failing to reclaim the trophy since 2014. Shami, who was instrumental in India's 2018-19 triumph, missed the 2020-21 series but played his last Test match against Australia during the World Test Championship final in June 2023 at The Oval. Out of action since the ODI



World Cup 2023 final due to surgery, Shami is determined to make a full recovery before returning to the national squad. "I believe India are the favourites to win the series. In the last series in Australia, we played with a young team, with many senior players absent, yet we still proved we were the best. I expect the next series to be highly competitive, but I'm confident that India will come out victorious," Shami said. Speaking

at an awards function in Kolkata, Shami outlined his cautious approach to his return. "I don't want to rush myself, even though I want to come back as soon as possible. It's not advisable to return with any doubt. I need to be stronger, and the stronger I feel, the better it will be. My goal is to return at my strongest," Shami explained. Shami emphasized the importance of fitness, adding, "I've already started bowling. But

unless I'm 100 percent in every aspect - both mentally and physically - I won't consider returning to action. If needed, I'll even play domestic cricket to ensure I'm at my best."

Shami, who has taken 229 wickets in 64 Test matches, is also optimistic about India's upcoming two-Test series against Bangladesh, which starts on September 19 in Chennai. Confident in India's form and playing conditions, he remarked, "It's fine if Bangladesh have beaten Pakistan, but we're playing at home. Bangladesh should consider our record, current form, and the strengths of the Indian team."

Looking ahead, Shami expressed a strong desire to represent Bengal in the Ranji Trophy as part of his comeback. "I definitely want to play for Bengal in the coming season. Playing two or three matches will help me make a strong return to international cricket," he stated, underscoring the importance of domestic cricket in regaining full match fitness. Shami also shared his deep gratitude toward Bengal, which played a pivotal role in shaping his cricketing career. "I was born in a family in UP where there was no opportunity. So I often say I was born in UP but made in Bengal. This is a journey of 22 years, and I am so grateful to Bengal for making me what I am," he said.

## People advised me to commit suicide: Navdeep Singh recalls harrowing past

New Delhi. India's gold medallist from the Paralympics 2024, Navdeep Singh, recently opened up on his harrowing past when he was asked to commit suicide by everyone. Navdeep scripted history in Paris as he won a gold medal in the men's javelin throw F41 event with a throw of 47.32 metres.

Recently, the 23-year-old was asked what keeps him motivated to face the challenges of life. The para-athletics star revealed that he drew his motivation from people's belief that he wouldn't be able to do anything in life. "Aapko kya lagta hai hume hausla kaha se aata hai? Jab wo bolte hain ki tu kuch nahi kar sakta. Isse acha to tu suicide kar le. Ye kya jeewan hai tera [Where do you think we get our courage from? When they say you can't do anything. It's better if you just commit suicide. What kind of life is this for you?]" Navdeep told Shubhankar Mishra on his YouTube Channel. Further speaking ahead, Navdeep remembered his late father who helped him start his sporting journey.

"Shuruwat unhone karwai thi. Har jagah saath thi [He was the one who got me started. He



was with me every step of the way]," Navdeep added. Meanwhile, Navdeep has become a social media sensation for his aggressive celebrations on the field with people drawing comparisons with star India cricketer Virat Kohli. However, he recently revealed Rohit Sharma to be his favourite cricketer.

Navdeep's silver was turned into gold in Paris, Navdeep also shattered the Paralympics record with a powerful throw of 47.32 metres, surpassing the previous record held by China's Pengxiang Sun from Tokyo 2021. He originally finished in the silver medal position with Iran's Beit Sadegh taking the top spot with a throw of 47.64 meters.

However, the Iranian athlete was disqualified due to unsporting conduct after he flaunted a controversial flag after his victory which pushed Navdeep in the gold medal position. The Haryana-born athlete stands at just 4 feet 4 inches tall, but the stature of his achievements has left everyone in awe of his grit and determination.

## Unai Emery admits selection headache after Aston Villa's 3-2 win over Everton

**Aston Villa manager Unai Emery admits facing a challenge in managing his striking options after a thrilling 3-2 comeback win against Everton. Jhon Duran and Ollie Watkins both impressed, creating a selection headache for the manager.**

London. Aston Villa manager Unai Emery has admitted that he faces a "challenge" in managing the striking options at the Premier League club after Jhon Duran and Ollie Watkins impressed in a thrilling 3-2 comeback win against Everton.

Watkins, who had yet to score in the Premier League this season, netted twice, helping Villa overturn a two-goal deficit after Everton's Dwight McNeil and Dominic Calvert-Lewin put the visitors ahead. Duran,



Villa's go-to super-sub, capped off the comeback with a spectacular 30-yard strike past England goalkeeper Jordan Pickford. Speaking after the match, Emery acknowledged the selection headache posed by his two in-form forwards. "Jhon's potential is huge," Emery said. "I want to support him and help him grow in confidence with more goals. He came back from international duty with Colombia, trained once, and yet he was excellent today. Duran, who has consistently made an impact off the bench, has now scored decisive goals in several games this season.

Emery praised his development, saying, "He has great potential to explore, and since he decided to stay with us, we've been focusing on his progress. We're very happy with him." On Watkins, who ended his goal drought in style, Emery expressed faith in the forward's ability to find the back of the net. "Ollie was creating chances in previous games but didn't score," he said. "I was always confident the goals would come, and today they did. Even after his two goals, he had more chances, which is important for his confidence." Emery hinted at the tactical challenge ahead in deciding how best to utilize both strikers. "We have to feel comfortable with these two strikers and figure out how we can play with one or both. That's the challenge we have." The victory serves as a confidence boost ahead of Aston Villa's return to European competition, as they prepare to face BSC Young Boys in the Champions League on Tuesday, marking their first appearance in Europe's top-tier tournament since 1983.

## Play till 40 R Ashwin reveals his retirement plans ahead of Bangladesh Tests

**India vs Bangladesh: Ace Indian spinner Ravichandran Ashwin has spoken about his future in international cricket, stating that his retirement will come when he no longer feels the drive to improve his game.**

New Delhi. Ace Indian spinner Ravichandran Ashwin, now 37, has addressed growing speculation about his future in international cricket. While still a key figure in India's Test squad, Ashwin clarified that his retirement will come only when he no longer feels the drive to improve his game.

Speaking ahead of India's home Test series against Bangladesh, Ashwin revealed that he hasn't set any specific retirement timeline. Instead, his decision will hinge on his personal motivation and performance.



"There is nothing like that in my mind. I am only thinking about one day at a time because when you get older, you have to put in extra effort every single day. It's not the same. I have put in a lot of effort in the last 3-4 years. I haven't decided (retirement), but the day I feel that today I don't want to improve, I will leave. That's all," Ashwin said during a conversation with Vimal Kumar on his YouTube channel when asked if one can expect him to play till 40. Despite nearing 40, Ashwin remains highly motivated, stating that his daily effort and passion for the game fuel his performance. Ashwin holds the top spot in the ICC Test bowler rankings and will play a crucial role in India's upcoming five-Test home series,

starting with two matches against Bangladesh, followed by three against New Zealand. With 516 wickets in 100 Test matches, he is India's second-highest wicket-taker in the format, behind only Anil Kumble, who holds the record at 619. While many believe Ashwin could surpass Kumble's tally, the off-spinner downplayed such goals, choosing to focus on enjoying his game. "I haven't set any targets for myself. Anil Bhai wants me to break his record, but I'm just happy living day by day. I don't want to lose my love for the game by setting targets," he explained.

Ashwin also reflected on the challenges he faced between 2018 and 2020, a period where injuries and form affected his game. "I know how my life changed after that tough phase. I'm just holding on to my joy of cricket, and the moment I feel I'm losing it, I'll step away." The seasoned bowler acknowledged that all players eventually leave the game and that others will take their place, continuing the legacy of Indian cricket. "We all play, and we all have to leave. Somebody else will come and do well. It's Indian cricket," he concluded.

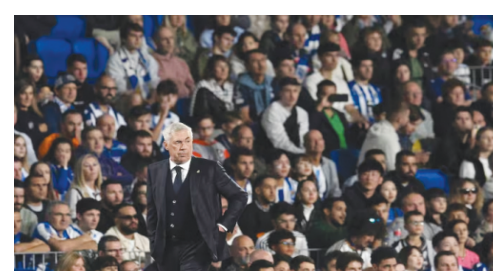
## Carlo Ancelotti reacts after Real Madrid beat Sociedad: We didn't deserve to win

**Real Madrid manager Carlo Ancelotti made a shocking confession after his team secured a 2-0 win over Real Sociedad in the La Liga clash. With the victory, Real Madrid remain second in La Liga, now on 11 points.**

Madrid. Real Madrid manager Carlo Ancelotti believes his team was not dominating enough to merit a 2-0 win over Real Sociedad, which

was sealed by second-half penalties from Vinicius Jr and Kylian Mbappe. In his post-match press conference, Ancelotti praised his players for their resilience and character in weathering the pressure from a determined Real Sociedad side. "It was a complicated match. We didn't deserve to win because Real Sociedad pushed us really hard," Ancelotti said. The Italian manager highlighted the team's defensive grit, noting their ability to endure difficult moments. "We held on and suffered, showed character and a lot of commitment. I value that a lot because it's not easy to find commitment in a team with so much talent and quality, and today we did it," he added.

While Real Madrid managed to secure the crucial three points, Ancelotti acknowledged that the performance left room for improvement. "I leave very satisfied, but we have to be self-critical in order to improve.



It's a great opportunity for us to assess what we didn't do well, but with three more points in the table." With the victory, Real Madrid remain second in La Liga, now on 11 points, trailing leaders Barcelona by a single point. Barcelona are set to visit fifth-placed Girona on Sunday, a match that could have significant implications for the league standings. Ancelotti also touched on his team's struggle with fatigue and a congested

fixture schedule, compounded by injuries to key midfielders Jude Bellingham, Eduardo Camavinga, Dani Ceballos, and Aurelien Tchouameni. "We have to take into account that we are not at 100 percent. It's normal, we don't have four midfielders who are injured. I value a lot the work of those who have played," Ancelotti explained. Kylian Mbappe, who netted his third goal for Real Madrid, received praise from the manager for his improving form as he settles into his new club. "I see Mbappe fresher, more active. He's very dangerous and combines well with Vinicius and the other forwards. He is improving a lot. I liked his game a lot," Ancelotti said.

With this victory behind them, Real Madrid now shifted their focus to their Champions League title defence, starting with a home match against Stuttgart on Tuesday.





# Niharika Konidela's

## Sequin Bling Bodycon Dress Is Perfect For Your Next Party



Niharika Konidela is an active face in the world of Telugu film industry. The actress belongs to the family which has gifted us numerous fine actors. Besides acting, she is also an active social media user. She frequently shares glimpses of her professional and personal life, which are often widely shared by her fans. Today, we will talk about one such post of her's that surfaced on the internet, creating a buzz among the fans. Her fans are flooding the comment section after seeing the post. In her recent post, she was seen wearing a sequin bling bodycon dress, perfectly teamed up with black colour diamond earring. The photos were likely taken during a photoshoot. Niharika Konidela was seen wearing light makeup along with red lipstick and perfectly drawn eyebrows, in which she looked elegant. In one of the pictures, she was also seen flaunting her tattoo. Several users praised her beautiful looks in the comment section.

Talking about her personal life, Niharika Konidela's relationship with her ex-husband Chaitanya Jonnalagadda didn't last long. Married on December 9 2020, the couple got divorced just three years later on July 5, 2023. Several of her fans criticised her for posting such pictures on social media after the divorce. The comments have created a massive stir on social media platforms. One user commented, "In this society, they are roaming easily leaving their married husband." Several other users criticised this user for such a comment.

As Niharika Konidela is enjoying her single life, several rumours have emerged stating that she has had relationships with numerous heroes. She never shared much about her personal life in public. The post garnered millions of views and was liked by more than 98,000 users. Several users praised her beauty. One user commented, "You look so beautiful," while another user wrote, "You are a natural beauty."

## Sunny Kaushal Compares Vikrant Massey To Vicky Kaushal: 'He Is Like An Elder Brother To Me'



Sunny Kaushal, who was last seen in Phir Aayi Haseen Dillruba, recently shared insights into his off-screen bond with co-star Vikrant Massey. In the romantic thriller, Sunny shared the screen with Vikrant Massey and Taapsee Pannu. During a recent interview with Instant Bollywood, Sunny revealed that he saw shades of his brother, Vicky Kaushal, in Vikrant, describing Vikrant as an elder brother figure to him. Sunny stated, "Vikrant, I see Vicky in him. He's like an elder brother to me." He also recalled a conversation with his father, Sham Kaushal, who had worked as an action director on Vikrant's film Mumbaikar. Sunny shared, "Usko (Vikrant) milke na mujhe teri aur Vicky ki yaad aa gayi (After meeting him, I was reminded of you and Vicky)." Sunny reflected on how he and Vikrant's similar upbringing contributed to their bond, saying, "Kahin na kahin hum logon ki upbringing, hum jahan se aaye hain woh na kaafi match karta hai (Somewhere our upbringing, where we have come from, matches a lot)." He added that whenever they exchanged childhood stories, they found striking similarities in their experiences. Meanwhile, Phir Aayi Haseen Dillruba was released on Netflix on August 9, 2024. The film, a sequel to the 2021 hit Haseen Dillruba, is directed by Jayprad Desai and produced by Colour Yellow Productions and T-Series Films, with a screenplay by Kanika Dhillon. Following its release, Vicky Kaushal took to Instagram to praise the film, particularly the sequel's ability to elevate the story. Vicky expressed his admiration for the film, writing, "Taking the twists, turns, romance and romaanch notches up from the first part... whatey mazzedaar watch. Don't miss it! Congrats team." He also praised his brother Sunny's performance, saying, "@sunsunnykhez You have truly surprised me with your ability to pull off such a twisted character. So tastefully done. I know how excited you were to take up this part and could see you have fun playing it through and through. So proud! Onwards and upwards brother!"

## Bhumi Pednekar Has A Special Wish For Her First Co-Star Ayushmann Khurrana On His 40th Birthday



Bollywood actor Ayushmann Khurrana is celebrating his 40th birthday today, and the outpouring of love from family, friends, and fans has been overwhelming on social media. Among the many heartfelt tributes was a special post from actress Bhumi Pednekar, who made her Bollywood debut alongside Ayushmann in the movie, Dum Laga Ke Haisha. On Saturday, Bhumi took to her Instagram Stories to share an adorable selfie with the birthday boy. In the snap, the duo can be seen enjoying a hot cup of chai and some cookies, with Ayushmann sporting a black sweatshirt and Bhumi in a white hoodie. Sharing the picture, Bhumi wrote, "Happy Birthday @ayushmannk, Have the bestest year," followed by a sparkle and nazar amulet emoji.

Apart from Bhumi's debut movie, Dum Laga Ke Haisha, she and Ayushmann starred together in the 2017 romcom, Shubh Mangal Saavdhan, a film about erectile dysfunction. On September 1, the R S Prasanna-directed film completed seven years of its release. To celebrate the same, Ayushmann shared a montage of several clips of the film and wrote, "#7YearsOfShubhMangalSaavdhan," followed by a red heart, cookie and teacup emoji.

Ayushmann and Bhumi also worked together in the 2019 satirical film, Bala. In it, Bhumi played a friend to Ayushmann's titular character, who suffers from male pattern baldness. Then, Bhumi made a cameo appearance in the Andhadhun actor's 2020 film, Shubh Mangal Zyada Saavdhan, which revolved around the love story of a gay man.

Ayushmann Khurrana was last seen in the sequel to his 2019 superhit, Dream Girl, Dream Girl 2. He will be next seen in Karan Johar's upcoming untitled film, co-starring Sara Ali Khan. Reportedly, he is also expected to join the Maddock Films horror-comedy universe with the film Vampires of Vijay Nagar alongside actress Rashmika Mandanna. Meanwhile, Bhumi Pednekar was last seen in Bhakshak, a crime thriller based on the Muzaffarpur shelter case. She will be next seen in the Netflix series, The Royals, co-starring Ishaan Khatter, Zeenat Aman, Chunky Panday, Sakshi Tanwar, Dino Morea, and Milind Soman.



# Sana Makbul

## Reveals Why She Never Dated Actors, Says She's 'Jealous' of Neha Kakkar: 'Want What They...'

Sana Makbul is currently dating Telugu businessman, Srikanth Bureddy. He grabbed attention when he arrived to pick her up on the grand finale of Big Boss OTT 3 in Mumbai. He confirmed their relationship while addressing the media and even stated that he's planning on marrying her very soon. Now, in an exclusive chat with News18 Showsha, Sana tells us that she has never been into actors and spills the beans on why never wanted to date them. She says, "I've actor friends who're either married or are dating but they don't have that sense of security. Understanding each other is rare and it's beautiful. Taking each other's criticisms positively is very important. Everyone has their own perspective on this but I've never dated anybody who's an actor. I've never been in a situation like that. I've always looked for somebody outside the industry, maybe a businessman. And since I haven't had the experience of dating an actor, I don't know how it works."

But the one couple she looks up to his Neha Kakkar and her husband, Rohanpreet Singh. Sana recently collaborated with Rohanpreet on the recently released music video titled Kaala Maal. Talking about them, she says, "If I talk about Rohanpreet and Neha, there's an understanding that they share and that's what partnership is all about. It's all about appreciating each other. If you and your partner are compatible, half the battle is already won. As husband and wife, they understand each other's professions too."

Sana admits that it's never easy for couples belonging to the same profession. And commenting on how the idea is to not take criticisms to heart in a relationship, the Big Boss OTT 3 winner adds, "Judgement is a deal-breaker. They may not like each other's works but if they've the transparency when it comes to communication, then it gets very easy. Neha and Rohanpreet give so much importance to each other and that's why they're together. I look at them and feel really jealous (laughs). I'm in awe of them. I want to have what they have."

